mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-296 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
25 अक्टूबर 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

मुंबई में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा संदिग्ध गिरफ्तार

फोन में मसूद अजहर की ऑडियो क्लिप मिली, रैपिडो ड्राइवर था

मुंबई,एजेंसी। मुंबई एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (ATS) ने माहिम इलाके से 33 साल के मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। उस पर आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का आरोप है। आरोपी बिहार का रहने वाला है और मुंबई में रैपिडो ड्राइवर था।

एटीएस के मुताबिक, आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में भड़काऊ पोस्ट और जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अजहर की ऑडियो क्लिप मिली हैं। जांच एजेंसी उसके सोशल मीडिया अकाउंट और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ी गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

10 साल से मुंबई में रह रहा था आरोपी... इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी बिहार का रहने वाला है और करीब 10 साल से मुंबई में रह रहा था। वह माहिम इलाके में बाबा फलूदा के पास परफ्यूम बेचता था। इसके अलावा, वह रैपिडो ड्राइवर के तौर पर भी काम करता था।

सोशल मीडिया और टेलीग्राम ग्रुप से मिला सुराग: अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी की सोशल मीडिया गतिविधियों और एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़े सुरागों के आधार पर मामला सामने आया। पुलिस का आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर जैश-ए-मोहम्मद को बढ़ावा देने वाली सामग्री पोस्ट करता था।

ATS यह भी पता लगा रही है कि आरोपी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से संपर्क थे या नहीं। मामले की जांच मुंबई ATS की कालाचौकी यूनिट कर रही है।

कश्मीर में 6 गिरफ्तार, प्रतिबंधित संगठन से जुड़ाव का आरोप

● इनमें 4 महिलाएं ● होटल में हुई सीक्रेट बैठकें, 7-8 लाख के लेन-देन का शक

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में प्रतिबंधित संगठन इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन से जुड़ाव के आरोप में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 4 महिलाएं शामिल हैं। पुलिस को शक है कि इस नेटवर्क को सीमा पार से फंडिंग मिली थी। पुलिस के मुताबिक, बांदीपोरा और आसपास के इलाकों में 14 से 15 सीक्रेट बैठकें हुई थीं। इनमें से 5 से 6 बैठकें बांदीपोरा-बारामूला रोड पर स्थित एक छोटे होटल में किए जाने की बात सामने आई है। जांचकर्ताओं को एक साल से ज्यादा समय में करीब 7 से 8 लाख के संदिग्ध लेन-देन का पता चला है। मामले में UAPA की धारा 10 और 13 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस फंडिंग के स्रोत और नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

जांच की शुरुआत वहीद अहमद भट से हुई: पुलिस के मुताबिक, जांच कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा निवासी वहीद अहमद भट से शुरू हुई। उसे 2022 में एक सम्मेलन के बाद UAPA के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था।

जामिया यूनिवर्सिटी की दीवारों पर फ्री कश्मीर-फ्री शर्जील के नारे

विश्व हिंदू परिषद ने आपत्ति जताई; छात्र संघ चुनाव को लेकर प्रदर्शन

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी की दीवारों पर फ्री कश्मीर और फ्री शरजील इमाम जैसे कई नारे लिखे मिले। विश्व हिंदू परिषद (VHP) ने कहा है कि वह यूनिवर्सिटी को एंटी-इंडिया गतिविधियों का अड्डा नहीं बनने देगा। VHP के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने एक्स पर फोटो शेयर कीं। इनमें फ्री कश्मीर, फ्री फिलिस्तीन, फ्री शरजील इमाम और क्रस्-गो बैक जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, इन तस्वीरों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

वहीं, यूनिवर्सिटी में छात्र संघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर छात्रों का प्रदर्शन चल रहा है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच यूनिवर्सिटी के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस तैनात की गई है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद छात्रों के प्रदर्शन में शामिल हुए। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 3 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।

राहुल से 1 नवंबर को रैली न करने की अपील

दिल्ली के कारोबारी बोले- करोड़ों का नुकसान होगा

» 2025 में दिवाली पर 75,000 करोड़ की बिक्री हुई थी

दिल्ली,एजेंसी। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से INDIA ब्लॉक की रैली टालने की अपील की है। CTI ने शनिवार को लेटर लिखकर कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली रैली 10 नवंबर के बाद की जाए। संगठन ने दिवाली फेस्टिवल सीजन में 10 हजार करोड़ रुपए के व्यापारिक नुकसान की चेतावनी दी है। दरअसल, 1 नवंबर को रामलीला मैदान में SIR और ज्ञानेश कुमार के विरोध में INDIA ब्लॉक की रैली है। रामलीला मैदान के 5 किमी के दायरे में चांदनी चौक और कनॉट प्लेस समेत 8 बड़े बाजार हैं। व्यापारी संगठन CAIT के मुताबिक, 2025 में इन बाजारों में दिवाली पर त्योहारी बिक्री 75,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई थी।

रामलीला मैदान से पुरानी दिल्ली तक 1 लाख दुकानें: व्यापारियों का दावा है कि सिर्फ दिल्ली के चांदनी चौक में 75,000 से ज्यादा दुकानें हैं। सदर बाजार में दुकानों की संख्या 15,000 से 40,000 के बीच है, और यहां 50,000 से 70,000 लोग आते हैं। चावडी बाजार के कागज के कारोबार में 1,000 से ज्यादा व्यापारी हैं। सब मिलाकर रामलीला मैदान के आसपास के पुरानी दिल्ली के बाजारों में एक लाख से ज्यादा दुकानें हो सकती हैं।

विपक्ष की SIR और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ 6 बैठकें-प्रदर्शन: INDIA ब्लॉक के नेताओं ने SIR और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 6 से 13 अक्टूबर के बीच 8 बार प्रदर्शन किए।

केरलम राज्यपाल ने पद संभालते ही लोकभवन में नॉनवेज रोका

कांग्रेस बोली- क्या खाना है, यह लोग तय करेंगे; राज्य में 97% लोग मांसाहारी

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरलम के नए राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर के पद संभालने के कुछ घंटे बाद ही लोकभवन में मांसाहारी खाना बनाने और परोसने पर रोक लगा दी।

कांग्रेस और विपक्षी CPI(M) ने इस फैसले की आलोचना की। कांग्रेस ने कहा कि क्या अब राज्यपाल तय करेंगे कि क्या खाना है। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि माथुर शाकाहारी हैं। इसी वजह से उन्होंने यह बदलाव कराया। सूत्रों ने साफ किया कि लोकभवन के कर्मचारियों के खाने पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। माथुर ने शुक्रवार सुबह केरलम के 29वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। केरल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सौमेन सेन ने उन्हें पद की शपथ दिलाई थी।

राज्यपाल कार्यालय ने दी फैसले की वजह... सूत्रों के मुताबिक, लोकभवन की रसोई में तैयार खाना सिर्फ राज्यपाल और उनके निजी स्टाफ के कुछ सदस्यों को दिया जाता है। अन्य कर्मचारी या तो घर से खाना लाते हैं या बाहर खाना खाते हैं। सूत्रों ने कहा कि उनके खाने की पसंद पर कोई रोक नहीं लगाई गई है।

भोजन का अधिकार और केरलम की संस्कृति... संविधान का अनुच्छेद 21 गरिमापूर्ण जीवन के तहत भोजन का अधिकार देता है, हालांकि स्वास्थ्य और कानूनी आधार पर खान-पान पर उचित नियम लागू हो सकते हैं।

कांग्रेस ने कहा- राज्यपाल ने हद पार कर दी: AICC महासचिव और अलप्पुझा लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि सिर्फ शाकाहारी खाना बनाने का निर्देश देकर राज्यपाल ने हद पार कर दी है। उन्होंने कहा कि केरलम की खान-पान की संस्कृति अलग है। तटीय राज्य होने के कारण यहां मछली भी बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। राज्य के लोग शाकाहारी या मांसाहारी भोजन चुनने के लिए स्वतंत्र हैं।

योगी बोले: मैं होता तो माफिया को दो किक मारता

सीआईडी सीरियल का नाम लेकर कहा- बाल के टुकड़े से केस सुलझा देते थे

लखनऊ,एजेंसी। सीएम योगी ने लखनऊ में यूपी पुलिस की जमीन पर माफिया के कब्जे का किस्सा सुनाया। उन्होंने कहा कि भूमाफिया ने पुलिस के नाम दर्ज जमीन अपने नाम करा ली थी और दुनिया की सबसे बड़ी यूपी पुलिस मौन बनी रही। उन्होंने कहा, 'मैं आपकी जगह होता तो उसे बुलाता, दो किक मारता और जमीन खाली कराता। आज अपराधी एक चौराहे पर अपराध करता है और अगले चौराहे पर ढेर हो जाता है। 'सीआईडी सीरियल का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले परिवार में पांच लोग होते थे तो पांचों के मुंह पांच ओर नहीं होते थे। लेकिन आज छत एक है लेकिन उसके नीचे रहने वाले जितने जीव हैं, उन सबकी दिशाएं अलग-अलग है। वे साथ-साथ नहीं हैं। तब परिवार एक साथ सीरियल देखता था। एक सीरियल आता था सीआईडी। लोग सोचते थे कि एक मर्डर होता है और कैसे एक डॉक्टर अज्ञात अपराधी को एक बाल या अंगुली के निशान के सहारे पकड़ने में सहायता करता था। उस समय यह सपना था लेकिन आज फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट उसको साकार कर रहा। 'CID' सीरियल क्राइम इन्वेस्टिगेशन पर आधारित सबसे लंबे समय तक चलने वाला सीरियल था। इसके मुख्य पात्र एसीपी प्रदुम्न, उनके सहयोगी दया सहित अन्य पात्र आम भारतीयों के बीच काफी चर्चित रहे हैं।

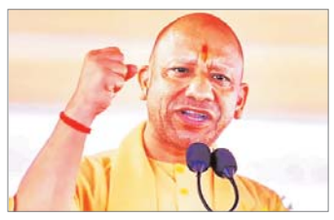

अब हमारे फॉरेंसिंक एक्सपर्ट घटना के तत्काल बाद पहुंच जाते... योगी ने बताया कि पुलिस अधिकारियों ने फॉरेंसिक विशेषज्ञों की जरूरत बताई थी। इसके बाद विशेषज्ञों की भूमिका तय करने और सैंपल जुटाने वाले कर्मियों को प्रशिक्षित करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज में अब तक करीब 1,000 पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

ट्रम्प की ईरान पर फिर हमले की धमकी:

तेहरान बोला- ऐसा किया तो समुद्र में बिछी इंटरनेट केबल काट देंगे; इससे बैंकिंग-क्लाउड सर्विस पर असर

वॉशिंगटन डीसी/ तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को फिर हमला करने की धमकी दी है। उन्होंने शुक्रवार को फ्लोरिडा में एक रैली के दौरान कहा, 'हम एक और छोटा ऑपरेशन एपिक फ्यूरी कर सकते हैं।' अमेरिकी सेना ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ जंग शुरू की थी। इसे 'एपिक फ्यूरी' नाम दिया गया था। हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि दोबारा हमला कब या किस तरह का होगा।

वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल ने दोबारा हमला किया तो वह खाड़ी देशों में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल को निशाना बनाएगा इससे इंटरनेट सेवाओं, बैंकिंग और ऑनलाइन कारोबार पर असर पड़ सकता है।

ट्रम्प बोले- युद्ध जल्दी खत्म कर सकते हैं: इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा, हम इस जंग को बहुत जल्दी खत्म कर सकते हैं। सवाल यह है कि क्या हम इसे पूरी तरह खत्म करना चाहते हैं या इसे धीरे-धीरे कमजोर पड़ने देना चाहते हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से तेल की आवाजाही जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया में तेल की सप्लाई के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा, 'हमें वह सब मिल रहा है जो हम चाहते हैं।' इन चुनावों से तय होगा कि अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में किस पार्टी का नियंत्रण रहेगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने 21 अक्टूबर को अपनी रिपोर्ट में बताया कि अमेरिकी और इजराइली सेनाओं ने मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर दोबारा हमले की योजना बनाई है।

ट्रम्प ने कहा था- हम मिडटर्म चुनाव से पहले हमला नहीं करेंगे... ट्रम्प युद्ध को खत्म करने की समयसीमा को लेकर पहले भी अलग-अलग बयान दे चुके हैं। अक्टूबर की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि अमेरिका 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले ईरान पर हमला नहीं करेगा।

अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि जिन जगहों को निशाना बनाया जा सकता है, उनमें ईरान के ऊर्जा ठिकाने, परमाणु केंद्र और मिसाइल-ड्रोन का भंडार शामिल हैं।

ईरान ने पाकिस्तान की एलपीजी सप्लाई रोकी

● एक सिलेंडर की कीमत 7000 रुपए पहुंची ● पाक 50% एलपीजी ईरान से इम्पोर्ट करता है

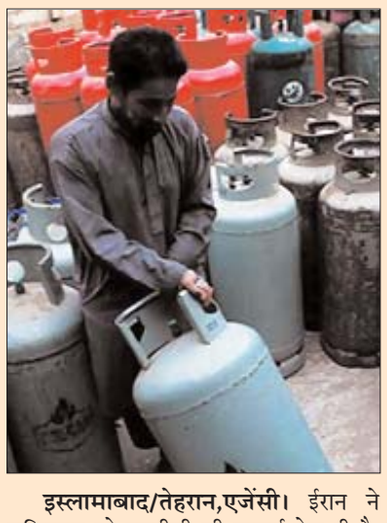

इस्लामाबाद/तेहरान,एजेंसी। ईरान ने पाकिस्तान को एलपीजी की सप्लाई रोक दी है। पाकिस्तान अपनी कुल एलपीजी जरूरत का करीब 50% हिस्सा ईरान से आयात करता है। ऐसे में सप्लाई रुकने से आम लोगों की परेशानी बढ़ गई है। 12 किलो के सिलेंडर की कीमत कुछ ही दिनों में 4500 पाकिस्तानी रुपए से बढ़कर 7000 रुपए हो गई है। यानी दाम 2500 रुपए बढ़ गए हैं।

सीमा बंद होने से रुकी गैस की सप्लाई: पाकिस्तान और ईरान के बीच गब्द-रिमदान और तफ्तान की दो प्रमुख सीमा चौकियां 17 अक्टूबर को बंद कर दी गई थीं। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की सरकार ने सुरक्षा चिंताओं और तस्करी रोकने को इसकी वजह बताया, जबकि ईरान ने तकनीकी दिक्कतों का हवाला दिया।

पाकिस्तान एलपीजी एसोसिएशन के मुताबिक, ईरान से रोजाना करीब 7000 मीट्रिक टन एलपीजी पाकिस्तान आती है।

ग्वादर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पूर्व अध्यक्ष शम्सुल हक ने बताया कि अकेले गब्द-रिमदान सीमा से हर दिन 4000 टन से ज्यादा गैस आती है। फिलहाल यह सप्लाई रुकी हुई है।

ओमान और इराक से भी आयात प्रभावित: पाकिस्तान अपनी एलपीजी जरूरत का करीब 70% हिस्सा विदेशों से आयात करता है। ईरान के अलावा इराक और ओमान से भी गैस आती है। पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक के मुताबिक, देश में हर दिन करीब 6500 से 7000 टन एलपीजी की जरूरत होती है। इसमें से 2000 से 2500 टन गैस देश में तैयार होती है, जबकि बाकी जरूरत आयात से पूरी की जाती है।

लेकिन होर्मुज स्ट्रेट में ईरान जंग के कारण आई रुकावट से इन इराक और ओमान से होने वाला आयात भी प्रभावित हुआ है।

सरकारी कीमत से दोगुने से ज्यादा दाम पर बिक रहे सिलेंडर: पाकिस्तान के तेल और गैस नियामक प्राधिकरण (OGRA) ने 11.8 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 3296 पाकिस्तानी रुपए तय की है। इसके बावजूद बाजार में सिलेंडर सरकारी कीमत से दोगुने से भी ज्यादा दाम पर बेचे जा रहे हैं। पाकिस्तान एलपीजी एसोसिएशन के अध्यक्ष इरफान खोखर के मुताबिक, बलूचिस्तान में 12 किलो का सिलेंडर करीब 7000 रुपए, लाहौर में 7500 रुपए और स्कर्दू में 8200 रुपए तक में बिक रहा है।

सरकार बोली- जल्द हालात सुधरेंगे... पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने कहा कि सरकार खुद एलपीजी आयात करके बाजार में उपलब्ध कराएगी। उन्होंने अगले 2 से 3 दिनों में कीमतों में सुधार शुरू होने की उम्मीद जताई।

: ब्रीफ बॉक्स :

ट्रम्प फिर बोले-250% टैरिफ की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाई

वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच जंग रुकवाने के लिए दोनों देशों को 250% टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों से साफ कह दिया था कि अगर लड़ाई नहीं रोकी, तो अमेरिका उनके साथ कारोबार बंद कर देगा। उनके मुताबिक, उनकी इस चेतावनी के बाद भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी बंद कर दी।

ट्रम्प बोले- दोनों देश नाराज हुए, फिर गोलीबारी रोक दी: ट्रम्प ने फ्लोरिडा में एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु हथियार वाले देश हैं। उन्होंने दोनों देशों से कहा था कि अगर वे लड़ाई जारी रखेंगे, तो अमेरिका उनके सामान पर भारी टैरिफ लगाएगा।

टाइगर फायरिंग- हैंडलर ने टीवी देखकर शूटर्स को मैसेज किया

मुंबई,एजेंसी। मुंबई में टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग करने वाले शूटर्स को वारदात के बाद भी बाहर से मदद मिल रही थी। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक एक व्यक्ति टीवी न्यूज देखकर उन्हें पुलिस की जांच के अपडेट दे रहा था। जब न्यूज में शूटर्स के चेहरे दिखे तो रेहान को मैसेज आया- तुम्हारे चेहरे दिख गए हैं, यहां से निकल जाओ। शूटर्स को यह भी बताया गया कि पुलिस को उनकी बाइक मिल गई है और उनके ट्रेन से भागने की योजना का पता चल गया है। इसके बाद आरोपियों ने अपना रास्ता बदला।

वे बाइक, ट्रेन और कैब से भागते रहे। वहीं एक आरोपी ने पूछताछ में दावा किया कि टाइगर श्रॉफ ने 2022 में सलमान खान को असली टाइगर कहा था। इससे नाराज लॉरेंस गैंग टाइगर से बदला लेना चाहता था।

कारों में ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेक 2030 से अनिवार्य होगा

ड्राइवर को झपकी आने पर अलार्म बजाएगी गाड़ी, सरकार ने जारी 30 दिन में सुझाव मांगे

नई दिल्ली,एजेंसी। अगर आपकी कार के सामने अचानक कोई आ जाता है, तो गाड़ी अपने आप ब्रेक लगाकर रुक जाएगी। 1 अक्टूबर 2030 से लॉन्च होने वाले सभी नए कारों में ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग सिस्टम' (AEBS) मिलेगा। वहीं, 1 अक्टूबर 2032 से बाजार में बिकने वाली सभी नई-पुरानी कारों में यह सिस्टम देना जरूरी हो जाएगा। परिवहन मंत्रालय (MoRTH) ने सड़क हादसे रोकने और गाड़ियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए इस सेफ्टी फीचर को अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा, कॉमर्शियल गाड़ियों में ड्राइवर स्लीप वॉर्निंग सिस्टम भी अनिवार्य किया जाएगा, जो ड्राइवर को नींद आने या ध्यान भटकने पर अलर्ट करेगा। सरकार के नए नियम AIS-185 स्टैंडर्ड के तहत लागू होंगे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली से न्याय की उम्मीद नहीं, लोगों को अपने हक के लिए लड़ना होगा : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने दावा किया है कि जम्मू-कश्मीर के लोग इसलिए बचे हुए हैं, क्योंकि पाकिस्तान अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीरियों का मुद्दा उठा रहा है। बारामुला में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा, 'पाकिस्तान कई जगहों पर जा रहा है और कश्मीरियों के बारे में बात कर रहा है। इसी वजह से जम्मू-कश्मीर के लोग बच रहे हैं। नहीं तो कश्मीरियों के प्रति भारत के इरादे सही नहीं हैं।' इसी कार्यक्रम में फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के मौजूदा प्रशासन पर भी निशाना साधा। उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में पढ़ने वाले छात्रों को दो साल तक अस्पतालों में सेवा देनी होती है और अगर वे ऐसा नहीं करते तो उन्हें राज्य को 40 लाख रुपए देने होते हैं। उन्होंने कहा कि यह इकलौता राज्य है जहां इस संबंध में फाइल पिछले एक साल से उपराज्यपाल के पास पड़ी है और कोई फैसला नहीं किया गया है। मेडिकल संस्थानों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि पहले मेडिकल संस्थान के निदेशक और समिति तय करते थे कि कौन से उपकरण लाने हैं और किन डॉक्टरों को नियुक्त करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा व्यवस्था ने वो सारी शक्तियां खत्म कर दी हैं। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, 'मैंने उनसे पूछा कि आपने स्वायत्तता खत्म कर दी है, तो उन्होंने मेरे सामने ही इस बात को मान लिया। ' फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि दिल्ली से क्या न्याय की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने लोगों से अपने हक के लिए आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने कहा, 'उनका सामना करने की हिम्मत रखो, अगर नहीं करोगे तो आप खत्म हो जाओगे।' उन्होंने कहा कि हम देश के साथ आगे बढ़ेंगे और देश के लिए बलिदान भी देंगे, लेकिन मैं आज जो सत्ता में हैं, उनसे कहता हूं कि वे खुद को सुधारें। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें सिर्फ लोगों को ही नहीं, बल्कि अल्लाह को भी जवाब देना है और इसीलिए वह जनता के सामने सच बोलते हैं। उन्होंने कहा, 'वे बड़े-बड़े दावे करते हैं और चर्चा की बात करते हैं, लेकिन आप दिल्ली से क्या उम्मीद कर सकते हैं? क्या आप उम्मीद करते हैं कि वे आपके साथ खड़े होंगे? नहीं। हिम्मत रखो और उनका सामना करो। अगर नहीं करोगे तो हमारी पहचान मिट जाएगी। इसीलिए हमें बोलना होगा।

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग, भड़काऊ नारे लिखने वालों पर हो कार्रवाई : इमरान मसूद

सहारनपुर, एजेंसी। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में कश्मीर को लेकर दिए गए बयानों और लगाए गए नारों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। कुछ लोग आंदोलन से डर रहे है, इसीलिए गलत जानकारी लोगों को दे रहे हैं। जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में कश्मीर को लेकर दिए गए बयान पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। जो लोग कश्मीर के समर्थन में बोल रहे हैं और इस आंदोलन को कमजोर करने की बात कर रहे हैं, वे देशद्रोही हैं। ऐसे नारे लिखने वालों की पहचान पुलिस और प्रशासन को करनी चाहिए और उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज होना चाहिए। वहां का कोई भी छात्र इन नारों का समर्थन नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि ये वहीं लोग हैं जो आंदोलन को कमजोर करना चाह रहे हैं, जिससे उन लोगों को फायदा हो सके, क्योंकि उन लोगों को आंदोलन से अब डर लगने लगा है। जो इस तरह का पोस्टर लगा रहे हैं, पुलिस प्रशासन उनको चिन्हित करे और जल्द से जल्द कार्रवाई करे, जिससे सच्चाई सामने आ सके। छात्रों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि वे बच्चे हैं। हम अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए जो कुछ भी करना पड़े, करेंगे। ये छात्र देश का भविष्य हैं। उनके भविष्य को बर्बाद न करें। आपको उनकी बात सुननी ही पड़ेगी, क्योंकि यह महात्मा गांधी की धरती है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग देश में कितना नुकसान कर रहे हैं, इसके बारे में कोई बताने वाला नहीं है। जीएसटी से कितना नुकसान हुआ है, इसके बाद में देश को पता चलना चाहिए। जीएसटी ने व्यापारियों को काफी नुकसान पहुंचाया है, सामान की ब्रिकी हो नहीं रही हैं, जनता परेशान हो गई है।

तुरंत बंद कर दें, अस्पतालों में सिंगल-यूज मेडिकल डिवाइस के दोबारा इस्तेमाल पर केंद्र ने लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने देश भर के सरकारी और निजी स्वास्थ्य केंद्रों को निर्देश दिया है कि वे एक बार इस्तेमाल होने वाले मेडिकल उपकरणों और डिस्पोजेबल सर्जिकल सामानों को दोबारा इस्तेमाल करना पूरी तरह बंद करें। सरकार ने चेतावनी दी है कि ऐसा करने से मरीजों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है, खासकर क्रिटिकल केयर (गंभीर इलाज) के दौरान। 16 अक्टूबर के एक पत्र में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि कुछ निजी और कॉर्पोरेट अस्पताल सिंगल-यूज उपकरणों को स्टरलाइज करके उनका दोबारा इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें कार्डियोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, ऑन्कोलॉजी, कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी, न्यूरोसर्जरी और अन्य क्लिनिकल सेवाओं में इस्तेमाल होने वाले उपकरण शामिल हैं।

'मरीजों को हो सकता है खतरा: डीजीएचएस ने कहा है कि रीयूज करने से मरीजों को क्रॉस-इंफेक्शन, डिवाइस के खराब होने, उसकी कार्यक्षमता कम होने और अन्य जटिलताओं का खतरा हो सकता है। इसमें कहा गया है कि यह चलन ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940, मेडिकल डिवाइसेस रूल्स, 2017, क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट्स एक्ट, 2010 और संक्रमण नियंत्रण तथा बायोमेडिकल कचरा प्रबंधन से जुड़े नियमों का उल्लंघन कर सकता है।

नियमों का उल्लंघन होने पर कार्रवाई: इस निर्देश में राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरणों और ड्रग कंट्रोलरों से कहा गया है कि वे कड़ी निगरानी रखें, स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण करें और नियमों का उल्लंघन होने पर लागू कानूनों के तहत कार्रवाई करें।

सिंगल-यूज लेबल वाले उपकरणों का इस्तेमाल उन्हें बनाने वाली मूल कंपनी के निर्देशों और सुझावों के अनुसार ही किया जाना चाहिए। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य अधिकारियों, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया और सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम को भेजे गए इस पत्र में ऐसे मामलों की ओर भी ध्यान दिलाया गया है, जिनमें मरीजों से उन उपकरणों की पूरी कीमत वसूली गई, जिन्हें दोबारा इस्तेमाल किया गया था या फिर उन उपकरणों की कीमत सरकारी अधिकारियों द्वारा चुकाई गई थी। डीजीएचएस ने बताया कि सीजीएचएस ने नवंबर 2016 में इस मुद्दे पर एक ऑफिस मेमोरेंडम जारी किया था, जो इस योजना के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों के लिए था। भारत में कथित तौर पर पुनः उपयोग किए जाने वाले उपकरणों में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी में प्रयुक्त कार्डियक कैथेटर और गाइडवायर, डायलिसिस उपकरण, कुछ शल्य चिकित्सा उपकरण और डिस्पोजेबल सिरिंज और सुई शामिल हैं।

सरकार के निर्देश का किया गया स्वागत

इस तरह की प्रथाओं से संक्रमण के जोखिम और रोगी सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ जाती हैं, खासकर तब जब रोगियों को इसकी जानकारी नहीं दी जाती है। इस निर्देश का स्वागत करते हुए एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री ने कहा कि एक बार इस्तेमाल के लिए डिजाइन और प्रमाणित किए गए उपकरणों को दोबारा इस्तेमाल करने से मरीजों के लिए खतरा पैदा हो सकता है। इसके फोरम कोऑर्डिनेटर राजीव नाथ ने कहा कि जब किसी उपकरण का इस्तेमाल निर्माता के निर्देशों के खिलाफ जाकर दोबारा किया जाता है तो इस स्थिति में किसकी जिम्मेदारी होगी यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए। नियमित निरीक्षण, डिवाइस के इस्तेमाल और निपटान (डिस्पोजल) का पता लगाने योग्य रिकॉर्ड रखने, कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही इसने सरकार से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है कि अस्पतालों में डिस्पोजेबल डिवाइस को दोबारा इस्तेमाल करने की वजह कहीं उनकी लागत न बन जाए। इस निर्देश में इसे लागू करने की जिम्मेदारी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों पर डाली गई है। हालांकि, इस पत्र में निरीक्षण का कोई नया शेड्यूल या ऐसे उपकरणों का दोबारा इस्तेमाल करते पाए जाने वाले अस्पतालों के लिए किसी अलग दंड का जिक्र नहीं है।

पीस बॉन्ड नहीं साइन करूंगी, हाई कोर्ट से झटके के बाद भी नेहा बोरा ने किया इनकार, वजह भी बताई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में प्रदर्शनों में शामिल होने को लेकर स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा को नोटिस जारी किया था। नोटिस में उनसे पीस बॉन्ड साइन करने के लिए कहा गया था। नेहा ने एसईएम की नोटिस के खिलाफ हाई कोर्ट का रुख किया था। हाई कोर्ट ने नेहा की याचिका खारिज कर दी थी। ऐसा माना जा रहा था कि हाई कोर्ट से झटके के बाद नेहा बोरा पीस बॉन्ड भर देंगी, लेकिन नेहा ने इनकार कर दिया है।

नेहा ने पीस बॉन्ड ना भरने की वजह भी बताई: मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शनों को लेकर नेहा लगातार सक्रिय रही हैं। एसईएम के पीस बॉन्ड वाले नोटिस पर बात करते हुए नेहा ने इसपर साइन ना करने की भी वजह बताई है। नेहा ने कहा कि पीस बॉन्ड उनके संवैधानिक अधिकार को छीन रहा है, इसलिए उसे साइन नहीं करेंगी।

नेहा बोरा ने पीस बॉन्ड पर साइन करने से इनकार करते हुए कहा कि वो इसलिए भी इस बॉन्ड पर साइन नहीं करेंगी कि देश में कहीं भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के दौरान लोगों को रोकने के लिए इस पीस बॉन्ड का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पीस बॉन्ड पर ना वो साइन करेंगी और ना ही आइसा का कोई सदस्य इस पीस बॉन्ड को साइन करेगा।

हाई कोर्ट ने क्या कहा था: बता दें कि आइसा की प्रेसिडेंड नेहा बोरा को एसईएम से पीस बॉन्ड पर साइन करने का नोटिस मिला था। इसके बाद नेहा ने दिल्ली हाई कोर्ट में 17 अक्टूबर को याचिका दायर कर इस पीस बॉन्ड पर रोक लगाने की मांग की थी। 23 अक्टूबर को हाई कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि एसईएण के पास नेहा के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त वजहें थीं। इस मामले पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने इस मामले पर टिप्पणी भी की थी। उन्होंने कहा कि एसईएम का नोटिस कानूनी जरुरतों के अनुसार था, वह केवल सुनी-सुनाई बातों पर आधारित नहीं था। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने टिप्पणी करते हुए कहा कि जिस इलाके में याचिकाकर्ता को हिरासत में लिया गया था और जहां वह लोगों से अपने विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने की अपील कर रही थीं, वहां शांति भंग होने की आशंका को लेकर एसईएम का यह मानना ??था कि वह एक व्यावसायिक इलाका है, जहां दफ्तर जाने वालों की भारी आवाजाही रहती है। साथ ही, वहां से कुछ महत्वपूर्ण सड़कें गुजरती हैं, जो शहर के मुख्य हिस्से को अन्य इलाकों से जोड़ती हैं।

यमुना किनारे बनेगी 4.7 किमी लंबी दीवार, दिल्ली को बाढ़ से बचाने के लिए सरकार का बड़ा कदम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बाढ़ और जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने 622 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। यमुना किनारे 4.7 किलोमीटर लंबी आरसीसी दीवार बनाई जाएगी, जबकि नालों से निकलने वाली गाद के वैज्ञानिक निस्तारण के लिए 260 करोड़ रुपये की तीन परियोजनाएं शुरू करने की तैयारी है। इसके अलावा नालों के किनारे हरित क्षेत्र विकसित करने और सौंदर्यीकरण की योजना पर भी चर्चा हुई।

यमुना किनारे 4.7 किमी लंबी दीवार बनेगी: यमुना का जलस्तर बढ़ने पर निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा कम करने के लिए मैगजीन रोड नाले से ओल्ड रेलवे ब्रिज तक 4.7 किलोमीटर लंबी प्रबलित सीमेंट कंक्रीट (आरसीसी) दीवार बनाई जाएगी। इस परियोजना पर 99 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इससे यमुना के संवेदनशील हिस्सों में सुरक्षा मजबूत करने और बाढ़ के खतरे को कम करने में मदद मिलेगी।

गाद के निस्तारण पर खर्च होंगे 260 करोड़ रुपये: नालों की सफाई के बाद निकलने वाली गाद का निस्तारण बड़ी समस्या बना हुआ है। कई जगह गाद नालों के किनारे या सड़कों पर पड़ी रहती है। बारिश के दौरान यह वापस नालों में पहुंच जाती है, जिससे सफाई का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता इस समस्या से निपटने के लिए 260 करोड़ रुपये की तीन बायोमाइनिंग परियोजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। इससे नजफगढ़ नाले समेत अन्य प्रमुख नालों से निकलने वाली गाद के वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण में मदद मिलेगी।

नालों के किनारे विकसित होंगे हरित क्षेत्र: दिल्ली के दूसरे नालों के किनारे भी बारापुला की तर्ज पर हरित क्षेत्र विकसित करने और सौंदर्यीकरण पर चर्चा हुई। इसके तहत पैदल रास्ते, पौधारोपण, रोशनी और सुरक्षा के लिए फेंसिंग विकसित करने की योजना है।

फ्लड कंट्रोल बोर्ड की बैठक में हुई चर्चा: सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश वर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में फ्लड कंट्रोल बोर्ड की 40वीं बैठक हुई। इसमें जल निकासी व्यवस्था मजबूत करने और मानसून के दौरान जलभराव से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को परियोजनाओं की नियमित निगरानी करने और निर्धारित समय में काम पूरा करने के निर्देश दिए।

इशारों पर बैठते, खड़े होते और सोते 10 इंच के नन्हे रोबोट एनवीडिया के मंच पर सीईओ हुआंग का कमाल

बर्लिन,एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के मुख्य भाषण में 21 अक्टूबर 2026 की शाम एक अनोखा नजारा देखने को मिला। बर्लिन में आयोजित जीटीसी बर्लिन कार्यक्रम के दौरान चार छोटे रोबोट मंच पर खुद चलकर पहुंचे और हुआंग के सामने कतार में खड़े हो गए। माइक्रोडक नाम के इन नन्हे रोबोटों ने हुआंग के निर्देशों का पालन करते हुए उठने, बैठने और लेटने की कला दिखाई, जिसने तकनीक से भरे इस गंभीर सत्र को बेहद मनोरंजक बना दिया।

मंच पर हुआंग के निर्देश पर रोबोट्स की शरारतें: प्रस्तुति के दौरान जेनसन हुआंग ने पहले सभी रोबोटों को बैठने और फिर खड़े होने का निर्देश दिया, जिसे उन्होंने तुरंत मान लिया। इसके बाद जब हुआंग ने उनसे कहा कि अब सोने का समय हो गया है, तो तीन रोबोट तुरंत मंच पर लेट गए। चौथा रोबोट कुछ कदम आगे बढ़ा और फिर अपने साथियों के पास जाकर लेट गया। रोबोट्स की इस मासूम हरकत को देखकर हुआंग हंस पड़े और उन्होंने ताली बजाते हुए चारों को फिर से खड़े होने के लिए कहा।

क्या हैं माइक्रोडक रोबोट की खासियत: माइक्रोडक वास्तव में एक ओपन-सोर्स रोबोट प्लेटफॉर्म है, जिसे हगिंग फेस और फ्रांस की पोलन रोबोटिक्स ने मिलकर तैयार किया है। प्रत्येक रोबोट की ऊंचाई करीब 10 इंच है और इनका वजन 2 पाउंड से भी कम है। यह परियोजना मुख्य रूप से छात्रों और डेवलपर्स के लिए तैयार की गई है, ताकि वे मशीनों को नए शारीरिक कौशल सिखाना सीख सकें, उनमें जरूरी बदलाव कर सकें और अपने प्रयोगों को पूरी दुनिया के साथ साझा कर सकें।

डेमोक्रेट को वोट देना पड़ा भारी: भारतीयों के समर्थन पर छात्र पत्रकार पर कार्रवाई, कंपनी ने नौकरी से निकाला

वाशिंगटन,एजेंसी। टेक्सास में रहने वाले 21 वर्षीय भारतीय मूल के छात्र पत्रकार वसंत भट्ट ने कहा कि उन्होंने भारतीयों के खिलाफ बढ़ती नफरत और भेदभाव के विरोध में एक डेमोक्रेट उम्मीदवार को वोट दिया था। इसके बाद कंजर्वेटिव उच्च शिक्षा से जुड़े मीडिया प्लेटफॉर्म 'कैंपस रिफॉर्म' ने उनकी संवाददाता की भूमिका खत्म कर दी है। यह मामला अब अमेरिकी दक्षिणपंथी खेमे में भारतीय-अमेरिकियों के प्रति बढ़ती शत्रुता पर छिड़ी बहस का एक अहम मुद्दा बन गया है।

छात्र पत्रकार वसंत भट्ट ने क्या कहा: यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन में राजनीति विज्ञान के छात्र वसंत भट्ट ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'मैंने अपने विवेक के अनुसार मतदान करने के संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल किया, भारतीयों के खिलाफ हो रही नफरत के खिलाफ आवाज उठाई और रिपब्लिकन पार्टी की लाइन पर चलने से इंकार किया। अब कैंपस रिफॉर्म के संवाददाता कार्यक्रम में मेरी भागीदारी समाप्त कर दी गई है।' भट्ट ने कहा, 'किसी कार्यक्रम में अपनी जगह खो देने से मैं अपने विचार नहीं बदलूंगा और न ही अपने समुदाय का साथ छोड़ूंगा।' 'कैंपस रिफॉर्म' ने अभी तक भट्ट के दावे पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। हालांकि, वेबसाइट पर मौजूद उनका प्रोफाइल, जिसमें उन्हें 'सीनियर कॉरेस्पॉन्डेंट' बताया गया था, अब लेखकों की सूची में दिखाई नहीं देता।इस महीने की शुरुआत में भट्ट उस समय चर्चा में आए थे जब उन्होंने कहा था कि टेक्सास की अमेरिकी सीनेट चुनावी दौड़ में उन्होंने रिपब्लिकन केन पैक्सटन की बजाय डेमोक्रेट जेम्स टालारिको को वोट दिया।

दीपोत्सव में रंगों और रील के जरिए दुनिया देखेगी 'दिव्य और भव्य अयोध्या'

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार दीपोत्सव-2026 में अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक वैभव और बदलते स्वरूप को रंगों व रचनात्मकता के जरिए दुनिया के सामने लाने की तैयारी कर रही है। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से चित्रकला और रील मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनके माध्यम से देशभर के कला प्रेमी और रचनात्मक प्रतिभाएं रामनगरी की परंपराओं, प्रमुख स्थलों, विकास कार्यों और दीपोत्सव की भव्यता को अपने अंदाज में प्रस्तुत कर सकेंगे। दोनों प्रतियोगिताओं में सभी आयु वर्ग के लोग हिस्सा ले सकते हैं। प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि दो नवंबर निर्धारित की गई है। विजेताओं को दीपोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या भारत की आस्था, संस्कृति और गौरवशाली विरासत के प्रतीक रूप में स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा, दीपोत्सव-2026 के अंतर्गत चित्रकला और रील मेकिंग प्रतियोगिता युवाओं व रचनात्मक प्रतिभाओं को अयोध्या के बदलते स्वरूप, विकास की गाथा और सनातन संस्कृति की भव्यता को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का सशक्त मंच प्रदान करेगी।

ट्रम्प ने फिर ईरान पर हमले की धमकी दी: ईरान बोला- ऐसा हुआ तो खाड़ी देशों में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल काट देंगे

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ फिर सैन्य कार्रवाई करने की धमकी दी है। ट्रम्प ने शुक्रवार को फ्लोरिडा में एक रैली के दौरान कहा, 'हम एक और छोटा ऑपरेशन एपिक फ्यूरी कर सकते हैं।' अमेरिकी सेना ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ शुरू हुए युद्ध को 'एपिक फ्यूरी' नाम दिया था। हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि दोबारा सैन्य कार्रवाई कब या किस तरह की होगी। वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका और इजराइल ने दोबारा हमला किया तो वह खाड़ी देशों में समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल को निशाना बनाएगा। इससे इंटरनेट सेवाओं, बैंकिंग और ऑनलाइन कारोबार पर असर पड़ सकता है।

ट्रम्प बोले- युद्ध जल्दी खत्म कर सकते हैं: इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा, हम इस जंग को बहुत जल्दी खत्म कर सकते हैं। सवाल यह है कि क्या हम इसे पूरी तरह खत्म करना चाहते हैं या इसे धीरे-धीरे कमजोर पड़ने देना चाहते हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से तेल की आवाजाही जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया में तेल की सप्लाई के लिए बेहद अहम है। उन्होंने कहा, 'हमें वह सब मिल रहा है जो हम चाहते हैं।'

ट्रम्प ने कहा था- हम मिडटर्म चुनाव से पहले हमला नहीं करेंगे: ट्रम्प युद्ध को खत्म करने की समयसीमा को लेकर पहले भी अलग-अलग बयान दे चुके हैं। अक्टूबर की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि अमेरिका 3 नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले ईरान पर हमला नहीं करेगा। इन चुनावों से तय होगा कि अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में किस पार्टी का नियंत्रण रहेगा। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने 21 अक्टूबर को अपनी रिपोर्ट में बताया कि अमेरिकी और इजराइली सेनाओं ने मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर दोबारा हमले की योजना बनाई है। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि जिन जगहों को निशाना बनाया जा सकता है, उनमें ईरान के ऊर्जा ठिकाने, परमाणु केंद्र और मिसाइल-ड्रोन का भंडार शामिल हैं। फ्रांस और तुर्किये ने नए हमले के खिलाफ चेताया ईरान पर दोबारा सैन्य कार्रवाई की आशंका के बीच कई देशों के विदेश मंत्रियों ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि इससे युद्ध पूरे क्षेत्र में फैल सकता है और आर्थिक नुकसान बढ़ सकता है। तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने कहा कि ईरान पर नया हमला तनाव बढ़ाएगा और युद्ध को दूसरे देशों तक फैला सकता है। उन्होंने कहा कि संघर्ष खत्म करने का रास्ता बातचीत और कूटनीति ही है।

ईरान ने केबल काटने की योजना बनाई

ईरान के दो सीनियर सुरक्षा अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि अमेरिका और इजराइल के नए हमले की स्थिति में समुद्र के नीचे बिछी संचार केबल को निशाना बनाने की योजना है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि केबल पर हमला कहां और कैसे किया जाएगा। एक अधिकारी के मुताबिक, ईरान केबल काटने के साथ उनकी मरम्मत में भी रुकावट डाल सकता है। इससे इंटरनेट और दूसरी संचार सेवाएं लंबे समय तक प्रभावित हो सकती हैं। ईरान के रेवोल्यूशनरी गार्ड्स के राजनीतिक मामलों के उप प्रमुख यदुल्लाह जवानी ने बुधवार को कहा था कि ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला होने पर वह होर्मुज के नीचे से गुजरने वाली सात प्रमुख इंटरनेट केबल को निशाना बना सकता है। ईरानी अधिकारी मोहसिन रजाई ने भी खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका से जुड़े डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सुविधाओं पर हमले की चेतावनी दी है।

इंटरनेट केबल कटने से क्या होगा

संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी आईटीयू के मुताबिक, दुनिया का करीब 99 इंटरनेट ट्रैफिक समुद्र के नीचे बिछी केबल से गुजरता है। ये केबल अलग-अलग देशों और महाद्वीपों को जोड़ती हैं।

कागजों में सड़क पूरी दिखाकर राशि निकालने का आरोप, ग्रामीणों ने की कलेक्टर से शिकायत

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के सिलपरी गांव में सड़क निर्माण कार्य में कथित गड़बड़ी का मामला सामने आया है ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गांव में सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने के बावजूद मौके पर सड़क नहीं बनाई गई जबकि सरकारी दस्तावेजों में काम पूरा दर्शाकर राशि निकाल ली गई इस संबंध में ग्रामीणों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सड़क नहीं बनी, भुगतान होने का आरोप: ग्रामीणों द्वारा 16 अक्टूबर 2026 को दिए गए आवेदन के अनुसार, सिलपरी गांव में सड़क निर्माण की मंजूरी मिली थी। ग्रामीणों का कहना है कि अब तक सड़क का निर्माण नहीं हुआ है इसके बावजूद दस्तावेजों में निर्माण कार्य पूर्ण दर्शाया गया और सरकारी राशि निकाल ली गई। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

आवागमन में हो रही परेशानी: ग्रामीणों के मुताबिक, सड़क नहीं होने के कारण उन्हें रोजाना आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ता है उनका आरोप है कि इस समस्या की जानकारी पहले भी संबंधित अधिकारियों को दी गई लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज ग्रामीणों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर अपनी शिकायत दर्ज कराई और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की।

जांच और कार्रवाई की मांग: ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क निर्माण से संबंधित स्वीकृति, कार्य की प्रगति, भुगतान और सरकारी अभिलेखों की जांच कराई जाए। यदि निर्माण कार्य में अनियमितता पाई जाती है तो जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों और संबंधित ठेकेदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

भूख हड़ताल की चेतावनी: ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी शिकायत पर सुनवाई नहीं हुई और मामले में कार्रवाई नहीं की गई तो वे 1 नवंबर 2026 से भूख हड़ताल शुरू करेंगे अब इस मामले में प्रशासन की जांच और कार्रवाई पर ग्रामीणों की नजरें टिकी हैं।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती, शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप

अश्लील वीडियो से रिश्ता तुड़वाने और परिवार को गोली मारने की धमकी देने का दावा, जीरो एफआईआर के बाद बुढ़ार पुलिस कर रही जांच

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र की 23 वर्षीय युवती ने केशवाही क्षेत्र के कनिष्क सिंह उर्फ छोटू पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने, अश्लील वीडियो बनाने और बाद में शादी से इनकार करने का आरोप लगाया है। युवती का दावा है कि आरोपी ने वीडियो वायरल कर उसकी शादी तुड़वा दी और अब उसे तथा उसके परिवार को धमकाया जा रहा है मामले में महिला थाने में शिकायत के बाद जीरो एफआईआर दर्ज कर प्रकरण बुढ़ार थाने भेजा गया है।

इंस्टाग्राम से हुई थी पहचान: युवती के अनुसार, वर्ष 2023 में इंस्टाग्राम के जरिए उसकी पहचान कनिष्क सिंह से हुई थी जनवरी 2024 से दोनों के बीच बातचीत और प्रेम संबंध शुरू हुए युवती का आरोप है कि शादी का भरोसा देकर आरोपी ने कई बार शारीरिक संबंध बनाए लेकिन बाद में शादी से इनकार कर दिया उसने गर्भपात कराने के लिए दवाएं देने का आरोप भी लगाया है।

वीडियो वायरल करने की धमकी का दावा: शिकायत में युवती ने आरोप लगाया कि आरोपी ने निजी वीडियो बनाए और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर उस पर दबाव बनाया। युवती का दावा है कि वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए गए और उसकी शादी तय होने पर लड़के पक्ष के लोगों तक भी पहुंचाए गए, जिससे रिश्ता टूट गया उसने मारपीट और मोबाइल फोन ले जाने का आरोप भी लगाया है।

परिवार को धमकाने का आरोप: युवती ने आरोपी के परिजनों पर भी धमकी देने के आरोप लगाए हैं उसका कहना है कि उसे और उसकी बहनों को नुकसान पहुंचाने तथा परिवार को गोली मारने की धमकी दी गई युवती ने सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है संबंधित पक्षों का जवाब सामने नहीं आया है।

जीरो एफआईआर के बाद जांच: एसपी डॉ. संजय अग्रवाल के अनुसार, युवती ने 12 अक्टूबर 2026 को महिला थाने में लिखित शिकायत दी थी जीरो एफआईआर दर्ज करने के बाद मामला क्षेत्राधिकार के आधार पर बुढ़ार थाने भेजा गया आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर होगी।

कंचन ज्वेलर्स डकैती का आखिरी आरोपी गिरफ्तार, 80 से ज्यादा माल बरामद

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जयंत स्थित कंचन ज्वेलर्स में 17 सितंबर को हुई डकैती के मामले में पुलिस ने अंतिम आरोपी राहुल कुमार को जबलपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया है सोनभद्र निवासी आरोपी वारदात के बाद तमिलनाडु में छिपा हुआ था पुलिस के अनुसार मामले में अब सभी छह आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और लूटे गए 80 प्रतिशत से अधिक सामान की बरामदगी की जा चुकी है एसपी सियाज केएम ने बताया कि आरोपियों ने वारदात से करीब एक महीने पहले साजिश रची थी दुकान की तीन बार रेकी करने के बाद 17 सितंबर की शाम डकैती को अंजाम दिया गया बदमाशों ने झारखंड से लूटी गई दो अपाचे मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल किया था।

विंध्य-बुंदेलखंड को मिलीं दो नई मेमू ट्रेनें, पहले दिन यात्रियों का सफर मुफ्त

नागौद-सतना और चुरहट-रीवा रूट पर सेवा शुरू, सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बजाई डफली,

डिप्टी सीएम बोले- दिसंबर तक सीधी पहुंचेगी ट्रेन, सीधी-सिंगरौली के बीच बनेंगी 16 सुरंगें

मीडिया ऑडीटर, सतना/सीधी (निप्र)। विंध्य और बुंदेलखंड के रेल यात्रियों के लिए शनिवार को बड़ी सौगात मिली रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर दो नई मेमू ट्रेनों की शुरुआत की ये ट्रेनें नागौद-सतना और चुरहट-रीवा मार्ग पर चलेंगी उद्घाटन के दिन यात्रियों को मुफ्त सफर का अवसर मिला नागौद स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने डफली बजाकर उत्साह जताया वहीं ट्रेन में सवार छात्राओं ने गाने गाए और डांस कर खुशी मनाई दोनों ट्रेनों में आठ-आठ कोच हैं। नियमित संचालन 26 अक्टूबर से शुरू होगा रविवार को छोड़कर ये ट्रेनें सप्ताह में छह दिन चलेंगी नई रेल सेवा से क्षेत्र के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलने के साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

दिसंबर तक सीधी पहुंचेगी रेल सुविधा: ट्रेन में सफर के दौरान उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि दिसंबर तक रेल सुविधा सीधी पहुंचाने का लक्ष्य है सीधी-सिंगरौली रेलखंड पर 16 सुरंगों का निर्माण कार्य चल रहा है। सरकार और रेलवे का प्रयास है कि दिसंबर 2028 तक सिंगरौली को रेल नेटवर्क से जोड़ दिया जाए उन्होंने कहा कि सीधी रेलवे स्टेशन शुरू होने के बाद यहां से पैसेंजर ट्रेनों के साथ लंबी दूरी की ट्रेनें चलाने के प्रयास भी किए जाएंगे भोपाल से रीवा आने वाली दो प्रमुख ट्रेनों में से एक को सीधी से चलाने की संभावना पर भी प्रयास किया जा रहा है।

रेल लाइन को बताया क्षेत्र की लाइफलाइन: उप मुख्यमंत्री ने रेल परियोजना को विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए आर्थिक कॉरिडोर और लाइफलाइन बताया उन्होंने कहा कि रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा, सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और सतना सांसद गणेश सिंह परियोजना को गति देने के लिए लगातार रेल मंत्री से संपर्क करते रहे हैं रेल कनेक्टिविटी बढ़ने से दूरस्थ इलाकों के लोगों को यात्रा में सुविधा मिलेगी और व्यापार को भी लाभ होगा।

मुआवजे की गड़बड़ी की जांच का आश्वासन: रेल परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण और मुआवजे से जुड़े सवालों पर शुक्ल ने कहा कि यदि कहीं अनियमितता हुई है तो उसे दिखवाया जाएगा उन्होंने बताया कि भूमि अधिग्रहण के मुआवजे से असंतुष्ट लोग अपनी मांग ट्रिब्यूनल के समक्ष रख सकते हैं रेलवे में नौकरी के लिए पद उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में नौकरी के बदले अतिरिक्त राशि देने का प्रावधान भी बताया गया।

फुलवारी स्टेशन पर हुआ स्वागत: नई ट्रेन के फुलवारी स्टेशन पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने स्वागत किया यात्रियों ने गाने गाकर और रेल की आवाज निकालकर खुशी जाहिर की। लोगों का कहना है कि रेल सेवा शुरू होने से आवागमन आसान होगा और क्षेत्र के व्यापार को गति मिलेगी ललितपुर-सिंगरौली रेल परियोजना के तहत शुरू हुई यह सेवा विंध्य क्षेत्र को बेहतर रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

रीवा में 8.06 करोड़ से बनेंगी दो सड़कें, डिप्टी सीएम ने किया भूमिपूजन

पुलिस लाइन से गुढ़ चौराहे तक और जिला अस्पताल से तोपखाना तक होगा निर्माण, शहरवासियों को मिलेगी आवागमन में सुविधा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने और आवागमन सुगम करने के उद्देश्य से 8 करोड़ 6 लाख रुपए की लागत से दो सड़कों का निर्माण कराया जाएगा शनिवार को पुलिस लाइन चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने दोनों सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया इन सड़कों के बनने से शहर के प्रमुख मार्गों तक पहुंच आसान होगी और संबंधित क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी निर्माण कार्य के तहत पहली सड़क पुलिस लाइन पेट्रोल पंप से गुढ़ चौराहे तक बनाई जाएगी वहीं दूसरी सड़क जिला चिकित्सालय के पीछे से पीएम आवास होते हुए तोपखाना तक बनाई जाएगी दोनों परियोजनाओं पर कुल 8 करोड़ 6 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

प्रमुख क्षेत्रों को मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी: पुलिस लाइन पेट्रोल पंप से गुढ़ चौराहे तक सड़क बनने से इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है इसी तरह जिला चिकित्सालय के पीछे से पीएम आवास होते हुए तोपखाना तक सड़क निर्माण होने से आसपास के रहवासियों को आवागमन के लिए बेहतर मार्ग उपलब्ध होगा शहर में लगातार बढ़ते यातायात के बीच इन सड़कों का निर्माण महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भूमिपूजन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि रहे मौजूद: पुलिस लाइन चौराहे पर आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्रा, नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पांडेय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सड़क निर्माण कार्य पूरा होने के बाद शहर के इन क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बेहतर होने की उम्मीद है।

बड़े संसाधनों से ही संभव है क्षेत्र का विकास, सभी ट्रेनें सीधी तक आएं : इंद्रलाल पटेल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बड़े संसाधनों से ही सं देवेंद्रनगर से चुरहट तक मेमू ट्रेन के संचालन की शुरुआत पर छात्र संगठन की ओर से इंद्रलाल पटेल ने खुशी जाहिर करते हुए इसका स्वागत किया है उन्होंने कहा कि बड़े संसाधनों से ही किसी जिले और क्षेत्र का वास्तविक विकास संभव है। रेलवे, विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय संस्थान, पर्यटन स्थल और उद्योग विकास के प्रमुख आधार हैं इन सुविधाओं के विस्तार से स्थानीय लोगों को आवागमन, शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर मिलते हैं इंद्रलाल पटेल ने कहा कि मेमू ट्रेन के साथ रीवा तक आने वाली रेवांचल एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनों का संचालन भी ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन के निर्माण के साथ चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाना चाहिए रेल लाइन जहां तक पूरी होती जाए वहां तक ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाए ताकि क्षेत्र के लोगों को जल्द से जल्द रेल सुविधा का लाभ मिल सके उन्होंने कहा कि आज भी क्षेत्र में ऐसे बुजुर्ग पुरुष और महिलाएं हैं, जिन्होंने न कभी ट्रेन देखी है और न ही उसमें सफर किया है रेल सेवा का विस्तार उनके लिए भी उत्साह और नई सुविधा लेकर आएगा।

सिंगरौली में ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई, 67 से अधिक वाहनों के चालान काटे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए यातायात पुलिस ने शनिवार सुबह विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 67 से अधिक वाहनों के चालान काटे गए कार्रवाई के दौरान वाहन चालकों पर कुल 30 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

नियमों की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई: यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक रोशनी केशरवानी ने बताया कि अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को रोककर जांच की गई इसमें वाहनों में ब्लैक फिल्म लगाने, बिना नंबर प्लेट या गलत नंबर प्लेट के वाहन चलाने, हेलमेट नहीं पहनने वाले दोपहिया चालकों और सीटबेल्ट का उपयोग नहीं करने वाले चारपहिया वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई इसके अलावा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करने वाले चालकों को भी रोककर चालान काटे गए पुलिस ने नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों से जुर्माना वसूला।

सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील: यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को हेलमेट और सीटबेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की समझाइश दी।

रीवा में आरक्षक पीयूष मिश्रा की इलाज के दौरान मौत, दो दिन से ICU में थे भर्ती

जहरीले पदार्थ के सेवन के बाद आरक्षक की मौत, विश्वविद्यालय थाने में थे पदस्थ

रीवा में आरक्षक की मौत से पुलिस विभाग में शोक, घटना के कारणों का इंतजार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र में पदस्थ आरक्षक पीयूष मिश्रा की शनिवार, 24 अक्टूबर को उपचार के दौरान मौत हो गई। वह मऊगंज जिले के धवैया गांव के निवासी थे 22 अक्टूबर की शाम पुलिस लाइन स्थित अपने सरकारी आवास में जहरीले पदार्थ का सेवन करने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई थी उन्हें गंभीर अवस्था में संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था जहां आईसीयू में उनका उपचार चल रहा था दो दिन तक चले इलाज के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

सरकारी आवास में बिगड़ी थी तबीयत: प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 अक्टूबर की शाम आरक्षक पीयूष मिश्रा ने पुलिस लाइन स्थित सरकारी आवास में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था इसके बाद उनकी हालत बिगड़ गई परिजनों ने उन्हें बेसुध अवस्था में देखा तो पुलिस अधिकारियों को सूचना दी सूचना मिलते ही उन्हें तत्काल उपचार के लिए संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय पहुंचाया गया अस्पताल में चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए आईसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू किया था आरक्षक की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार किया जा रहा था परिजनों और पुलिस विभाग को उनके स्वस्थ होने की उम्मीद थी लेकिन शनिवार को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई घटना की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस विभाग में शोक का माहौल है।

घटना की वजह स्पष्ट नहीं: आरक्षक पीयूष मिश्रा द्वारा जहरीले पदार्थ का सेवन किए जाने के पीछे की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है घटना के बाद प्रारंभिक स्तर पर पारिवारिक कलह की आशंका जताई गई थी लेकिन पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी ऐसे में घटना के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

पुलिस जांच के बाद सामने आएंगे तथ्य: आरक्षक की मौत के मामले में घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी सामने आने का इंतजार है घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे क्या कारण रहे इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगे फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार आरक्षक का 22 अक्टूबर से अस्पताल में उपचार चल रहा था और 24 अक्टूबर को उनकी मौत हो गई।

शहडोल में आज CM मोहन यादव बांटेंगे 22.89 करोड़ का तेंदूपत्ता बोनस

9.77 लाख संग्राहकों के खातों में सिंगल क्लिक से पहुंचेगी प्रोत्साहन राशि, 400 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन-लोकार्पण करेंगे मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार, 25 अक्टूबर को शहडोल के दौरे पर रहेंगे वे बाणगंगा मेला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रोत्साहन राशि वितरित करेंगे इसके साथ ही लगभग 400 करोड़ रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी करेंगे कार्यक्रम में विंध्य क्षेत्र के छह जिलों के तेंदूपत्ता संग्राहकों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

9.77 लाख हितग्राहियों को मिलेगा बोनस: कार्यक्रम के दौरान तेंदूपत्ता संग्रहण वर्ष 2024 के 9 लाख 77 हजार 696 पात्र हितग्राहियों के खातों में 22 करोड़ 89 लाख रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की जाएगी इसमें शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी और सतना जिले के हितग्राही शामिल हैं तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े परिवारों के लिए यह राशि आर्थिक सहायता के रूप में महत्वपूर्ण मानी जा रही है सरकार की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम के जरिए पात्र संग्राहकों तक प्रोत्साहन राशि सीधे पहुंचाई जाएगी।

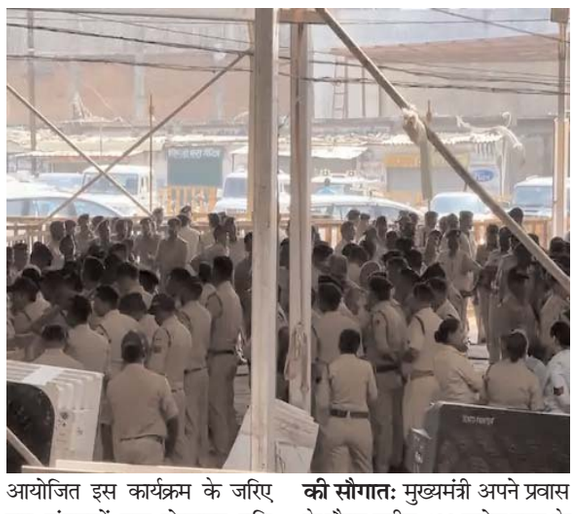

400 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात: मुख्यमंत्री अपने प्रवास के दौरान करीब 400 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण करेंगे इन कार्यों से संबंधित परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में विकास गतिविधियों को गति देने का प्रयास किया जाएगा हालांकि उपलब्ध जानकारी में सभी परियोजनाओं और उनकी अलग-अलग लागत का विस्तृत विवरण सामने नहीं आया है।

15 से 20 हजार लोगों के पहुंचने का अनुमान: मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है कलेक्टर पार्थ जायसवाल के अनुसार आयोजन में 15 से 20 हजार लोगों के पहुंचने का अनुमान है। इसे देखते हुए प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं कार्यक्रम स्थल पर व्यवस्थाओं की निगरानी के साथ संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

वोट चोरी के दुष्प्रचार पर भाजपा का जवाब

संपादकीय

वोट चोरी के विपक्षी दलों के दुष्प्रचार की काट के लिए भाजपा ने राष्ट्रव्यापी अभियान छेड़ने का जो निर्णय लिया, वह उचित ही है, क्योंकि इस दुष्प्रचार के तहत यह भी अफवाह फैलाई जा रही है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और उसे चुनावी लाभ प्रदान कर रहा है।

अच्छा होता कि भाजपा की ओर से ऐसा कोई अभियान पहले ही छेड़ा जाता। चूंकि इस काम में देर हुई, इसलिए अब उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके साथ संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग को संकीर्ण राजनीतिक कारणों से बदनाम करने के विपक्षी दलों के दुष्प्रचार का प्रतिकार प्रभावी तरीके से हो। उसे अपनी बात पुष्ट प्रमाणों और अकाट्य तर्कों के साथ रखनी होगी। इस क्रम में उन झूठे आरोपों की पोल भी खोलनी होगी, जिनकी आड़ में यह माहौल बनाया जा रहा है कि विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम वोटरलिस्ट से जानबूझकर बाहर किए जा रहे हैं।

हालांकि बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के समय ही यह स्पष्ट हो गया था कि विपक्षी दलों के आरोपों में कोई दम नहीं, लेकिन खीझ में आकर वे इस उक्ति को चरितार्थ करने में जुट गए कि किसी झूठ को सौ बार दोहराया जाए तो वह सच लगने लगता है। वास्तव में वोट चोरी के शिगूफे के पीछे विपक्ष ने इसी उक्ति को अपना हथियार बना लिया है। एक ओर जहां एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा को अपने हिस्से का काम करना होगा, वहीं चुनाव आयोग को भी सक्रिय होना होगा, क्योंकि एसआईआर के समय उसकी ओर से नोटिस जारी कर लोगों से जो आवश्यक जानकारी या प्रमाणपत्र मांगे जाते हैं, उसके आधार पर ही यह शोर मचाया जा रहा है कि वोट चोरी हो रही है। इस नोटिस में केवल यह लिखा होता है, 'आपने गणना प्रपत्र में अपने या स्वजनों के बारे में वांछित जानकारी नहीं भरी या फिर उसका मिलान नहीं हो पा रहा है। आपका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हो सके, इसके लिए इस तिथि तक अमुक दस्तावेज भेज दें। किसी कठिनाई पर बीएलओ से संपर्क करें।' अनेक लोगों को ऐसे नोटिस मिले और उन्होंने आवश्यक दस्तावेज जमाकर अपने नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराए। जिन्होंने ऐसा नहीं किया, बीएलओ ने उनसे खुद संपर्क किया। इसके बाद भी लोगों को वोटरलिस्ट में नाम जुड़वाने का अवसर दिया जाता है। विपक्ष इसी नोटिस के आधार पर वोट चोरी का शोर मचाकर मुख्य चुनाव आयुक्त का त्यागपत्र तो मांग रहा, लेकिन यह नहीं बता रहा कि आखिर राज्य सरकारों के अधीन काम करने वाले बीएलओ यह कैसे जान सकते हैं कि कौन वोटर किस दल को वोट देता है? जब ऐसा संभव ही नहीं तो फिर इसे कोरे झूठ के अलावा और क्या कहा जा सकता है कि चुनाव आयोग विपक्ष को वोट देने वालों के नाम काट रहा है?

चीन सीमा की सुरक्षा करने वाले जवान दिल्ली में प्रदर्शन रोकने तैनात!

सनत जैन

भारत की सीमाओं की सुरक्षा करने वाले जवानों को यदि राजधानी दिल्ली में नागरिकों के प्रदर्शन रोकने के लिए तैनात करना पड़े, तो यह केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। चीन के साथ सीमा पर तनाव समाप्त होने के दावों के बीच भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच जारी टकराव की पुष्टि की है। ऐसे समय में सीमा सुरक्षा बलों की तैनाती और उनके उपयोग पर देश में बहस होना स्वाभाविक है। कांग्रेस ने इस मामले में आक्रामक रुख अपनाया हुआ है। गलवान घाटी में जून 2020 में 20 भारतीय सैनिकों की शहादत के बाद, भारत-चीन के संबंधों में विश्वास का संकट गहरा गया था। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच देपसांग और डेमचोक में गश्त की व्यवस्था को लेकर समझौता हुआ। इसका अर्थ यह नहीं था, सीमा विवाद हमेशा के लिए समाप्त हो गया। अब आईटीबीपी प्रमुख के बयान ने स्पष्ट कर दिया है, अरुणाचल प्रदेश सहित भारत की सभी सीमाओं पर चीन द्वारा जो अवैध कब्जा किया जा रहा है उसकी वास्तविक चुनौतियां पहले की तुलना में और भी गंभीर हुई हैं। सवाल यह है कि जब सीमा पर चीनी सैनिकों के साथ टकराव की स्थिति बनी हुई है, सरकार देश को पूरी स्थिति से अवगत क्यों नहीं कराती? सीमा पर कहां टकराव हो रहा है, भारतीय जवान किन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं। उन्हें आधुनिक तकनीक तथा आवश्यक उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं, इन सवालों पर पारदर्शिता के साथ देश की जनता और विपक्ष को जवाब मिलना ही चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर हर जानकारी सार्वजनिक करना संभव नहीं है, लेकिन देश की जनता को गोपनीय मामलों को छोड़कर अन्य मामलों में अंधेरे में रखना भी ठीक नहीं है।

दिल्ली में प्रदर्शनों की आशंका के बीच केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 273 कंपनियों की तैनाती 31 अक्टूबर तक बढ़ाए जाने की खबर सामने आई है। इनमें आईटीबीपी की 39 कंपनियां भी शामिल हैं। यह तैनाती ऐसे समय हो रही है, जब राजधानी में चुनाव आयोग के खिलाफ एवं विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन और विभिन्न संगठनों की विरोधात्मक गतिविधियां जारी हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफ, बीएसएफ, एसएसबी और अन्य केंद्रीय बल दिल्ली और पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में तैनात किए हैं। यह कहना सही नहीं होगा, पूरी तैनाती सीमा से जवानों को हटाकर की गई है, लेकिन सवाल यह है, जब सीमा में सैनिकों की जरूरत है ऐसे समय पर नागरिक क्षेत्र में उनकी तैनाती क्यों की गई? यह प्रश्न महत्वपूर्ण है, लंबे समय तक आंतरिक कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने से सीमावर्ती क्षेत्रों में बलों की उपलब्धता पर कितना भारी असर पड़ रहा है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है। यदि कोई आंदोलन कानून का उल्लंघन करता है, तो उससे निपटने के लिए कानूनसम्मत व्यवस्था बनाने के लिए और भी बल मौजूद हैं। सरकार की आलोचना करने वाले प्रत्येक आंदोलन को सुरक्षा की समस्या मानकर उससे निपटने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि राजधानी में इतनी बड़ी संख्या में केंद्रीय बलों की तैनाती की आवश्यकता क्यों पड़ रही है। देश के सामने पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार से जुड़ी अलग-अलग सीमा बड़ी चुनौतियां हैं। आतंकवाद, घुसपैठ, तस्करी और सीमा पार अपराधों से निपटने के लिए प्रशिक्षित जवानों की जरूरत है। ऐसे में यदि केंद्रीय बलों को लगातार चुनावों और राज्यों की कानून-व्यवस्था के लिए तैनात किया जाता है, तो उनके मूल दायित्वों पर पड़ने वाले प्रभाव का आंकलन होना चाहिए। कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार की जवाब देही है।

राहुल गांधी और कांग्रेस सहित विपक्षी दल सीमा की स्थिति को लेकर सरकार से पिछले कई वर्षों से संसद के अंदर सवाल पूछ रहे हैं। सरकार को इन सवालों का जवाब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, तथ्यों और आधिकारिक जानकारी के माध्यम से देना चाहिए। विपक्ष का काम सवाल उठाना और सरकार का दायित्व सदन में जवाब देना है। मतदाता सूची में नामों के विलोपन, चुनाव आयोग की निष्पक्षता और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को लेकर उठ रहे सवालों ने राजनीतिक वातावरण को तनावपूर्ण बना दिया है।

ऐसे समय में सरकार और विपक्ष के बीच संवाद की

जब कठपुतली के धागों से समाज के सवाल बोलने लगें

अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस 25 अक्टूबर पर विशेष) मंच पर हल्की-सी रोशनी पड़ती है। रंग-बिरंगे कपड़ों में सजी कठपुतलियां स्थिर खड़ी हैं। तभी धागे तनते हैं और उनके हाथ-पैर हिलने लगते हैं। कुछ क्षण पहले तक निर्जीव दिखने वाले पात्र अब बोलने लगते हैं। एक कठपुतली पेड़ बनकर पर्यावरण की चिंता करती है, दूसरी पानी की जरूरत बताती है और तीसरी बाल विवाह पर सवाल उठाती है। बच्चे पहले हंसते हैं, फिर कहानी में छिपे सवालों पर गंभीर हो जाते हैं। मनोरंजन कब सामाजिक संवाद में बदल गया, उन्हें पता भी नहीं चलता।

कुमार कृष्णन

मंच के पीछे खड़ा कलाकार इस बदलाव को देखता है। उसके लिए शायद यही सबसे बड़ा पुरस्कार है। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस पर मुजफ्फरपुर के मालीघाट के लोक कलाकार सुनील कुमार की यात्रा को याद करना इसलिए जरूरी है कि उन्होंने कठपुतली के पारंपरिक धागों में अपने समय के सवाल पिरोए हैं। उनकी कला केवल दर्शकों का मनोरंजन नहीं करती, बल्कि उन्हें सोचने, समझने और अपनी बात कहने के लिए प्रेरित करती है।

कला की सार्थकता केवल उसकी सुंदरता या लोकप्रियता में नहीं, बल्कि जीवन से उसके जुड़ाव में भी होती है। कलाकार समाज की स्मृतियों, संघर्षों और आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति देता है। सुनील कुमार ने कठपुतली को इसी सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ा है। उनके कार्यक्रमों में हिंसा, बाल विवाह, बाल श्रम, नशा, पर्यावरण, जल संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक संवेदनशीलता और डिजिटल बैंकिंग जैसे विषय शामिल होते हैं। वे जानते हैं कि कठिन संदेश भी लोकभाषा, गीत, संगीत और कहानी के सहारे सहजता से लोगों तक पहुंच सकते हैं। सुनील कुमार की कला-यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष बच्चों के साथ उनका संवाद है। उनका मानना है कि पढ़ाई से दूर भागने वाले बच्चों को केवल किताबों और परीक्षाओं के दबाव से कक्षा तक नहीं लाया जा सकता। शिक्षा में रचनात्मकता, सहभागिता और संवाद की जगह बनानी होगी। कठपुतली बच्चों को इसी अवसर से जोड़ती है। जब कोई पात्र उनकी आंखों के सामने चलता, बोलता और सवाल करता है, तो बच्चा केवल दर्शक नहीं रहता। वह कहानी से जुड़ता है, सवाल पूछता है और कई बार स्वयं भी अपनी बात रखने लगता है।

इसी सोच के साथ सुनील कुमार बच्चों और शिक्षकों को कठपुतली निर्माण तथा संचालन का प्रशिक्षण देते हैं। हुमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया, किलकारी, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, रामबाग, मुजफ्फरपुर सहित विभिन्न संस्थानों में उन्होंने प्रशिक्षण दिया है। शिवहर के तरियानी, पूर्वी चंपारण के बंजरिया, पश्चिमी चंपारण के चनपटिया, सीतामढ़ी के थुम्मा और रुन्नीसैदपुर, पटना के विक्रम, मोतिहारी के छतौनी तथा भोजपुर के पीरोता तक उनकी प्रशिक्षण-यात्रा पहुंची है। इन प्रयासों में उनकी भूमिका केवल कलाकार की नहीं, बल्कि कला को साझा करने वाले प्रशिक्षक की भी है। वे बच्चों को तैयार कठपुतलियां दिखाकर ही नहीं लौटते, बल्कि उन्हें स्वयं कठपुतली बनाने और उसके माध्यम से अपनी बात कहने का अवसर देते हैं। यह तरीका बच्चों में रचनात्मकता विकसित करने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ा सकता है। कला जब कुछ लोगों की विशेषज्ञता तक सीमित न रहकर दूसरों के हाथों में पहुंचती है, तभी उसका सामाजिक विस्तार होता है।

सुनील कुमार की कठपुतलियों की दुनिया में प्रकृति भी एक जीवंत पात्र है। पीपल, नीम और तुलसी जैसे पेड़-पौधे उनके कार्यक्रमों में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हैं। जल-जीवन-हरियाली और पानी बचाने की जरूरत को वे गीत, संगीत और लोककथाओं से जोड़ते हैं। उनके यहां पेड़ केवल वनस्पति नहीं, बल्कि गांव, आंगन, स्मृति और आने वाली पीढ़ियों की चिंता का प्रतीक बन जाता है। पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं रहता, बल्कि जीवन की निरंतरता का प्रश्न बन जाता है।

पर्यावरण पर संवाद करते समय लोककला की यह विशेषता महत्वपूर्ण हो जाती है। आंकड़े और वैज्ञानिक चेतावनियां जरूरी हैं, लेकिन उनका अर्थ तभी व्यापक समाज तक पहुंचता है जब लोग उन्हें अपने जीवन से जोड़ सकें। लोकभाषा और स्थानीय प्रतीकों के सहारे कही गई बात परिचित लगती है। सुनील कुमार इसी सांस्कृतिक निकटता के माध्यम से पर्यावरण संबंधी जागरूकता पैदा करने की कोशिश करते हैं। उनके लिए प्रकृति की रक्षा का संदेश लोकजीवन की स्मृतियों और परंपराओं को बचाने से भी जुड़ा है।

उनकी कला का एक उल्लेखनीय प्रयोग 'पपेट जर्नलिज्म' यानी कठपुतली के माध्यम से सूचना और जनसंचार का है। सीजीनेट के सहयोग से महाराष्ट्र के सालेकसा, गोंदिया में कठपुतली का प्रशिक्षण लेने के बाद उन्होंने इस माध्यम को सामाजिक सूचना के प्रसार से जोड़ा। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को वैकल्पिक मीडिया के उपयोग का प्रशिक्षण देने का अनुभव भी उनकी यात्रा का हिस्सा रहा है। यह प्रयास बताता है कि जहां सूचना के औपचारिक माध्यमों की पहुंच सीमित हो, वहां स्थानीय भाषा और लोककला संवाद का प्रभावी रास्ता बन सकती है।

यहां कलाकार मंच पर खड़े होकर केवल संदेश देने वाला व्यक्ति नहीं रह जाता। वह समुदाय के बीच पहुंचता है और लोगों की अपनी भाषा में संवाद की संभावना तलाशता है। कठपुतली की सहजता जटिल सामाजिक सवालों को बातचीत का विषय बना सकती है। इस तरह लोककला सूचना को एकतरफा प्रसारण के बजाय सहभागिता और समझ का माध्यम बनाने में मदद करती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सुनील कुमार ने इस कला का उपयोग किया है। जन औषधि परियोजना के बारे में लोगों को जानकारी देना, सस्ती दवाओं की उपलब्धता समझाना और जन औषधि केंद्रों की उपयोगिता बताना उनके कार्यक्रमों में शामिल रहा है। इस काम के लिए बिहार के जन औषधि नोडल अधिकारी कुमार पाठक ने उन्हें सम्मानित किया। स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को सरल संवाद में बदलना खास तौर पर उन समुदायों के लिए उपयोगी हो सकता है, जहां तकनीकी शब्दावली या औपचारिक भाषण लोगों से दूरी पैदा करती है। माहवारी शिक्षा, गुड टच-बैड टच और लैंगिक संवेदनशीलता जैसे विषयों पर कठपुतली के माध्यम से संवाद करना एक अलग तरह की सामाजिक प्रतिबद्धता मांगता है। जिन विषयों पर परिवारों और समुदायों में खुलकर बातचीत करने में झिझक होती है।

'एक राष्ट्र-एक चुनाव' विषय पर विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का आयोजन 2 नवंबर को रीवा में

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और संवैधानिक व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 2 नवंबर को रीवा में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 का आयोजन किया जाएगा मेरा युवा भारत, रीवा एवं युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम सुबह 10 बजे से प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, मॉडल साइंस कॉलेज, रीवा में होगा इस वर्ष कार्यक्रम का मुख्य विषय एक राष्ट्र-एक चुनाव निर्धारित किया गया है इसमें जिले के पात्र युवा लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव सुधारों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विचार रखेंगे युवा: विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट का उद्देश्य युवाओं को देश की संसदीय प्रणाली, चुनाव प्रक्रिया, सुशासन और राष्ट्रीय महत्व के विषयों से जोड़ना है इसके माध्यम से युवाओं को विचारों की अभिव्यक्ति, तार्किक चिंतन, प्रभावी संवाद और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर मिलेगा कार्यक्रम में प्रतिभागी निर्धारित विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे उनके विचारों की स्पष्टता, विषय की समझ और तर्कपूर्ण प्रस्तुतीकरण के आधार पर प्रतिभा का मूल्यांकन किया जाएगा एक राष्ट्र-एक चुनाव वर्तमान समय में राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का महत्वपूर्ण विषय है इस विषय के माध्यम से युवाओं को चुनाव प्रक्रिया, लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका और देश की निर्वाचन व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर अपनी समझ प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा आयोजन का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है बल्कि युवाओं को जागरूक जिम्मेदार और सक्रिय नागरिक के रूप में तैयार करना भी है।

18 से 25 वर्ष तक के युवा ले सकेंगे भाग: आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में निर्धारित पात्रता के तहत 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवा हिस्सा ले सकेंगे आयु की गणना के लिए 17 अगस्त 2026 को कट-ऑफ तिथि निर्धारित की गई है इच्छुक प्रतिभागियों के लिए माय भारत पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण करना अनिवार्य है पात्र युवाओं को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना पंजीकरण पूरा करना होगा, ताकि वे प्रतियोगिता में शामिल हो सकें कार्यक्रम में भाग लेने वाले युवाओं को अपनी कक्षा 10वीं की अंकसूची और आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य होगा प्रतिभागियों को आयोजन स्थल पर पहुंचते समय आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखने होंगे इससे पात्रता संबंधी आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने में सुविधा होगी।

तीन प्रतिभागियों को मिलेगा राज्य स्तर पर अवसर: प्रतियोगिता के दौरान युवाओं के विषय ज्ञान, तार्किक क्षमता, विचारों की स्पष्टता और प्रस्तुतीकरण कौशल का आकलन किया जाएगा इन आधारों पर तीन प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा चयनित युवाओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा इस प्रकार जिला स्तर का यह आयोजन प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ने और बड़े मंच पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगा प्रतियोगिता के जरिए युवाओं को अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने, समसामयिक विषयों का विश्लेषण करने और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को समझने का अनुभव मिलेगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन की व्यवस्था से प्रतिभागियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन भी मिलेगा।

युवाओं से अधिकाधिक पंजीकरण की अपील: कार्यक्रम में शामिल होने वाले प्रतिभागियों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की जाएगी मेरा युवा भारत, रीवा ने जिले के पात्र युवाओं से इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन पंजीकरण कराने की अपील की है।

आयोजकों का कहना है कि इस तरह के कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से जोड़ने के साथ उनमें नेतृत्व, संवाद और निर्णय क्षमता विकसित करने में सहायक होते हैं विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट युवाओं को अपने विचार साझा करने, लोकतांत्रिक मूल्यों को समझने और राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर सार्थक चर्चा करने का मंच उपलब्ध कराएगी।

शरद पूर्णिमा: ब्रह्मांडीय ऊर्जा, अमृतमयी चांदनी और आत्मिक आनंद का पर्व

हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को 'शरद पूर्णिमा' पर्व मनाया जाता है और इस दिन चंद्रमा अपने पूर्ण स्वरूप में आसमान में चमकता है। इस वर्ष शरद पूर्णिमा 25 अक्तूबर को मनाई जाएगी। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा के पूर्ण स्वरूप का उत्सव भी कहा जाता है। इस रात चंद्रमा की रोशनी इतनी तेज होती है कि धरती दूधिया उजास में नहा उठती है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस दिन चंद्रमा की किरणें विशेष रूप से औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं। यह माना जाता है कि इन किरणों में स्वास्थ्य, सौंदर्य और शक्ति बढ़ाने वाले तत्व होते हैं। वेदों और पुराणों में चंद्रमा को औषधियों का स्वामी माना गया है।

शरद पूर्णिमा (25 अक्तूबर) पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'मैं ही सोम रूप चंद्रमा बनकर समस्त औषधियों को पुष्ट करता हूं।' ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वर्षभर में केवल शरद पूर्णिमा के दिन ही चंद्रमा अपनी सभी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है। माना जाता है कि प्रत्येक कला मनुष्य के जीवन की किसी न किसी विशेषता का प्रतीक होती है। भगवान श्रीकृष्ण को इन सोलह कलाओं का पूर्ण रूप कहा गया है इसलिए शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी रात श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मधुर धुन पर ब्रज की गोपियों के साथ यमुना तट पर दिव्य महारास किया था इसीलिए यह रात प्रेम, आनंद और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। वृंदावन और बृज क्षेत्र में आज भी शरद पूर्णिमा को बहुत उत्साह से मनाया जाता है। शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कौमुदी उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। 'कोजागर' का अर्थ है 'कौन जाग रहा है?' मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो व्यक्ति जागकर सच्चे मन से उनकी पूजा करता है, उस पर लक्ष्मी की कृपा बरसती है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय धन की देवी लक्ष्मी का प्रकट होना भी इसी पूर्णिमा की रात हुआ था। इसलिए यह पर्व धन, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, साथ ही शिव-पार्वती और कार्तिकेय की आराधना का भी विधान है। इस दिन व्रत रखकर रातभर जागरण और भक्ति करने से व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि, मानसिक शांति और शुभ फल प्राप्त होते हैं।

शरद पूर्णिमा की रात का सबसे प्रसिद्ध और सुंदर प्रतीक है खीर की परंपरा। इस रात घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे रखी जाती है ताकि चंद्रमा की चांदनी उसमें पड़े। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों में अमृत बरसता है और वह अमृत खीर में समा जाता है। सुबह उस खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जो अमृत समान मानी जाती है। ज्योतिषीय दृष्टि से दूध, चावल और चीनी चंद्र ग्रह से जुड़े तत्व हैं। इसीलिए चंद्रमा की रोशनी में रखी गई खीर में उसकी शुभ ऊर्जा और औषधीय गुण समा जाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस परंपरा का गहरा अर्थ है। दूध में लैक्टिक एसिड और खीर में मौजूद चावल के स्टार्च के कारण जब इसे खुली चांदनी में रखा जाता है तो उसमें ऐसे परिवर्तन होते हैं, जो इसे अधिक पौष्टिक बना देते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा की किरणों में मौजूद अल्ट्रा-वॉयलेट और इंफ्रारेड ऊर्जा दूध में मौजूद सूक्ष्म जीवों की क्रिया को सक्रिय करती है, जिससे वह पाचन में सहायक और स्वास्थ्यवर्धक बन जाता है। इसीलिए शरद पूर्णिमा की रात रखी खीर को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है।

पौराणिक कथाओं में यह भी उल्लेख मिलता है कि रावण इस रात दर्पण के माध्यम से चंद्रमा की किरणों को अपनी नाभि पर ग्रहण कर युवा शक्ति प्राप्त करता था। यह कथा प्रतीक है कि चंद्रमा की किरणें शरीर में ऊर्जा, शांति और जीवन शक्ति भरने का सामर्थ्य रखती हैं। शरद पूर्णिमा ऋतु परिवर्तन की भी प्रतीक है। यह दिन वर्षा ऋतु की समाप्ति और शीत ऋतु के आगमन की घोषणा करता है। मौसम बदलने के इस समय शरीर को नई जलवायु के अनुकूल बनाना आवश्यक होता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस समय वात, पित्त और कफ दोषों में असंतुलन की संभावना बढ़ती है। खीर का मधुर स्वाद और उसका शीतल प्रभाव इन दोषों को संतुलित करने में सहायक होता है। इसलिए यह पर्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शरद पूर्णिमा की रात का सौंदर्य अद्भुत होता है। जब पूर्ण चंद्रमा आकाश में अपनी सोलह कलाओं के साथ दमकता है तो उसकी दूधिया रोशनी में पूरी धरती जैसे अमृत में डूब जाती है। इस दृश्य को देखकर मन में स्वतः शांति और प्रसन्नता का संचार होता है। यह रात केवल पूजा या जागरण की नहीं बल्कि आत्मशुद्धि और ध्यान की भी होती है। यह दिव्य पर्व हमें संदेश देता है कि जैसे चंद्रमा अंधकार को मिटाकर जग को उजाला देता है, वैसे ही हमें अपने भीतर की अज्ञानता को मिटाकर ज्ञान और करुणा का प्रकाश फैलाना चाहिए। यह पर्व केवल बाहरी चंद्रमा का नहीं बल्कि हमारे भीतर के चंद्र स्वरूप (शीतलता, शांति और प्रेम) का भी उत्सव है। कुछ स्थानों पर शरद पूर्णमा को फसल कटाई के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। किसान इस दिन प्रकृति को धन्यवाद देते हैं क्योंकि शरद ऋतु के आगमन के साथ खेतों में नई ऊर्जा और फसल की खुशबू भर जाती है। इस प्रकार शरद पूर्णिमा धर्म, विज्ञान, आस्था और प्रकृति, चारों का संगम है। यह रात हमें सिखाती है कि जीवन का सच्चा आनंद केवल भौतिक संपत्ति में नहीं बल्कि मन की शांति और संतुलन में है। चंद्रमा की अमृतमयी रोशनी की तरह यदि हमारे विचार और कर्म भी निर्मल हों तो जीवन भी पूर्णिमा की तरह उज्ज्वल बन सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो शरद पूर्णिमा केवल तिथि नहीं बल्कि ब्रह्मांड की ऊर्जा से जुड़ने का एक माध्यम है, जब प्रकृति, मनुष्य और परमात्मा तीनों एक लय में नृत्य करते हैं और इस लय में ही जीवन का सच्चा आनंद छिपा है।

राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में उज्जैन-ग्वालियर का शानदार प्रदर्शन, क्रिकेट में दर्ज की जीत

नेटबॉल में ग्वालियर ने जनजातीय कार्य विभाग को 22-2 से हराया, रीवा ने सागर को 16-1 से दी शिकस्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के तहत शनिवार को विभिन्न खेलों के रोमांचक लीग मुकाबले खेले गए सांदीपनी स्कूल और श्रीमंत माधवराव सिंधिया खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में 19 वर्षीय बालक-बालिका नेटबॉल तथा 17 वर्षीय बालिका क्रिकेट के मुकाबले हुए क्रिकेट में उज्जैन और ग्वालियर की टीमों ने जीत हासिल की वहीं नेटबॉल में जबलपुर, ग्वालियर, इंदौर और रीवा की टीमों ने अपने-अपने मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीमों को पराजित किया।

उज्जैन ने रीवा को 36 रन पर समेटा: 17 वर्षीय बालिका क्रिकेट प्रतियोगिता में उज्जैन और रीवा की टीमों के बीच मुकाबला खेला गया इसमें उज्जैन की टीम ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए रीवा को महज 36 रन पर रोक दिया इसके बाद उज्जैन की बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाते हुए तीन ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया और मुकाबला अपने नाम कर लिया उज्जैन की टीम ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन किया।

दक्षिता यादव की नाबाद पारी से जीता ग्वालियर: क्रिकेट के दूसरे मुकाबले में नर्मदापुरम की टीम ने ग्वालियर के सामने 80 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ग्वालियर की टीम की ओर से दक्षिता यादव ने शानदार बल्लेबाजी की उन्होंने नाबाद 47 रन बनाकर टीम को जीत की ओर अग्रसर किया उनकी उपयोगी पारी की बदौलत ग्वालियर ने 10.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर मुकाबला जीत लिया इस प्रदर्शन से ग्वालियर की टीम ने प्रतियोगिता में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

नेटबॉल में ग्वालियर की एकतरफा जीत: नेटबॉल के मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने उत्साह और खेल कौशल का प्रदर्शन किया बालक वर्ग में जबलपुर की टीम ने जनजातीय कार्य विभाग की टीम को 9-6 से हराया बालिका वर्ग में ग्वालियर ने शानदार तालमेल और आक्रामक खेल दिखाते हुए जनजातीय कार्य विभाग की टीम को 22-2 से पराजित किया इस मुकाबले में ग्वालियर का दबदबा स्पष्ट नजर आया अन्य मुकाबलों में इंदौर की टीम ने उज्जैन को 12-2 से हराया, जबकि रीवा की टीम ने सागर को 16-1 से शिकस्त देकर जीत दर्ज की इन परिणामों के साथ विभिन्न टीमों ने प्रतियोगिता में अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया।

100 से अधिक शिक्षकों और अधिकारियों ने संभाली व्यवस्थाएं: प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी आकाश सिंह यादव के मार्गदर्शन में 100 से अधिक शिक्षकों और अधिकारियों ने व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाली जिला क्रीड़ा अधिकारी चंद्रशेखर बेमटे और नेशनल कोच यादवेन्द्र चौधरी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया प्रतियोगिता के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और राज्य स्तर पर खेल कौशल निखारने का अवसर मिल रहा है।

बिल पर साइन से इनकार,महिला सरपंच समेत तीन को पीटा मिट्टी फिलिंग के बिल पर हस्ताक्षर का बना रहे थे दबाव, शिकायत के बाद चार पर FIR

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर जिले के पसला ग्राम पंचायत भवन में महिला सरपंच, उनके पति और एक पंच के साथ मारपीट हुई यह घटना शुक्रवार को बिल पर हस्ताक्षर करने से मना करने पर हुई शिकायत के बाद देर रात चार आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया है पसला की महिला सरपंच संतरी सिंह गोड़ ने पुलिस को बताया कि आकाश पटेल, नितिन पटेल, शुभम राठौर और रघुवर पटेल ने मिट्टी फिलिंग के बिल पर साइन करने का दबाव बनाया जब सरपंच ने जानकारी न होने की बात कहकर मना किया, तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी विरोध करने पर आरोपियों ने सरपंच को जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटा बीच-बचाव करने आए उनके पति रोहित सिंह (पूर्व सरपंच) और पंच शंकरलाल राठौर को भी बेरहमी से मारा गया इस मारपीट में तीनों को गंभीर चोटें आईं घायलों ने पहले पुलिस अधीक्षक से शिकायत की इसके बाद कोतवाली पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है ।

वनरक्षक बनने 83 अभ्यर्थियों ने पूरी की दौड़2 अभ्यर्थी 5 मिनट देरी से पहुंचे, DFO भी 3 घंटे 20 मिनट में 25ज्यरूदौड़े

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम सामान्य वनमंडल और एसटीआर में वनरक्षक के 56 पदों की भर्ती प्रक्रिया जारी है जिसके तहत शनिवार को सुबह 6 बजे से 14,25 किमी की दौड़ हुई DFO गौरव शर्मा ने डिवीजन कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर 85 युवक-युवती अभ्यर्थियों को पैदल दौड़ के लिए रवाना किया जिसमें 64 पुरुष, 21 महिला अभ्यर्थी शामिल हैं दौड़ में 85 में से 83 अभ्यर्थियों ने निर्धारित समय में दौड़ पूरी कर ली 2 अभ्यर्थी समय खत्म होने के 5 मिनट बाद पहुंचे जिस कारण उन्हें डिस्क्वालीफाई किया गया दौड़ में खास बात यह रही कि 14 एक्स आर्मीमैन शामिल हुए और DFO गौरव शर्मा प्रशिक्षु IFS प्रज्वल चौरसिया भी अभ्यर्थियों के साथ दौड़े ताकि अभ्यर्थियों का हौसला बढ़े और वे थकें नहीं डीएफओ गौरव शर्मा ने 3 घंटे 20 मिनट में 25 किमी की दूरी तय की पुरुष अभ्यर्थियों को 25 किमी और महिला अभ्यर्थी को 14 किमी का सफर 4 घंटे में तय करना है महिला अभ्यर्थियों का रूट DFO कार्यालय से जासलपुर जासलपुर से DFO कार्यालय तक और पुरुष अभ्यर्थियों का DFOकार्यालय से तवा पुल, तवा पुल सेDFO कार्यालय तक है सुरक्षा के लिए आगे-पीछे, साथ में फॉरेस्ट टीम मौजूद अभ्यर्थियों की सुरक्षा के लिए 25 किमी के सफर में फॉरेस्ट की टीम गाड़ियों के साथ आगे-पीछे मौजूद है अभ्यर्थियों को सड़क किनारे चलने के लिए बार बार कहा गया एंबुलेंस भी साथ में रही ताकि तबीयत बिगड़ने पर उनका प्राथमिक उपचार हो सकें बीच में स्टाफ देने के लिए चार पाइंट भी बनाएं गए है डीएफओ को देख अभ्यर्थियों ने किया कॉम्पीटीशन डीएफओ गौरव शर्मा और प्रशिक्षु आईएफएस प्रज्वल चौरसिया के साथ दौड़ने से अभ्यर्थियों का हौसला बढ़ा साथ ही वे डीएफओ और प्रशिक्षु आईएफएस से कॉम्पीटीशन कर आगे रहने के लिए दौड़े डीएफओ को देख अभ्यर्थियों ने भी कॉम्पीटीशन किया डीएफओ को देख अभ्यर्थियों ने भी कॉम्पीटीशन किया डीएफओ गौरव शर्मा ने बताया एसटीआर और टेरिटोरियल फॉरेस्ट के 56 वनरक्षक पदों के लिए 109 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है। शुक्रवार को डीएफओ कार्यालय में दस्तावेज वेरिफिकेशन, शारीरिक माप और बायोमेट्रिक टेस्ट हुआ। डीएफओ के निर्देशन में सिटी मजिस्ट्रेट सीमा बडोले, एसडीओ अनिल विश्वकर्मा, सहायक संचालक एसटीआर मुकेश कुमार जामोर, हीरालाल पटेल ने अभी टेस्ट कराएं।

पीजी कॉलेज में छात्र कम,नियमित क्लास नहीं लगने का आरोप प्राचार्य ने मानी परेशानी, बोले- उपस्थिति बढ़ाने के लिए कर रहे प्रयास

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के शासकीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नियमित कक्षाओं के दौरान भी छात्र-छात्राओं की उपस्थिति कम नजर आ रही है कॉलेज में 36 नियमित प्रोफेसर और 15 गेस्ट फैकल्टी समेत अन्य कर्मचारी कार्यरत हैं लेकिन सामान्य दिनों में परिसर में विद्यार्थियों की संख्या कम दिखाई दे रही है एलएलबी के विद्यार्थियों का आरोप है कि उन्हें कई बार यह तक पता नहीं होता कि किस विषय की क्लास कब लगेगी और संबंधित प्रोफेसर कौन हैं इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है LLB छात्रों का आरोप- क्लास का समय और विषय की जानकारी नहीं मिलती एलएलबी के विद्यार्थियों के मुताबिक, कॉलेज पहुंचने के बाद कई बार उन्हें पता नहीं होता कि किस विषय की कक्षा कब लगेगी

उनका कहना है कि नोटिस बोर्ड पर भी समय-सारणी नियमित रूप से प्रदर्शित नहीं की जाती कुछ विद्यार्थियों का दावा है कि सप्ताह में एक-दो दिन ही कक्षाएं लगती हैं कई बार क्लास निरस्त होने या छुट्टी होने की जानकारी भी समय पर नहीं मिलती विद्यार्थियों ने अटेंडेंस व्यवस्था में भी अनियमितता का आरोप लगाया है छात्रों का कहना है कि लंबे समय से बनी इस स्थिति के कारण कई विद्यार्थियों ने कॉलेज आना ही कम कर दिया है। उनका आरोप है कि नियमित कक्षाएं और समय-सारणी की स्पष्ट जानकारी मिले तो विद्यार्थी भी नियमित रूप से कॉलेज पहुंचेंगे कॉलेज में 36 नियमित और 15 गेस्ट प्रोफेसर शासकीय माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय शहर के प्रमुख सरकारी कॉलेजों में शामिल है यहां 36 नियमित प्रोफेसर 15 गेस्ट फैकल्टी और अन्य कर्मचारी कार्यरत हैं इसके बावजूद सामान्य दिनों में कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों की कम उपस्थिति दिखाई दे रही है विद्यार्थियों का कहना है कि कॉलेज में नियमित कक्षाएं लगना और उनकी जानकारी समय पर मिलना जरूरी है, ताकि वे अपनी पढ़ाई के अनुसार कॉलेज पहुंच सकें प्राचार्य बोले- कम उपस्थिति चिंताजनक अभिभावकों से संपर्क करेंगे प्राचार्य प्रो. पवन कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों की कम उपस्थिति को चिंताजनक बताया है उन्होंने कहा कि कॉलेज का समय सुबह 10:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक है और प्रोफेसर निर्धारित समय पर कक्षाओं में जाते हैं कक्षाओं के अलावा छात्रवृत्ति और अन्य शैक्षणिक कार्य भी किए जाते हैं प्राचार्य के अनुसार, प्रवेश फॉर्म और छात्रवृत्ति से जुड़े कार्यों के दौरान कॉलेज में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ जाती है, जबकि सामान्य दिनों में उपस्थिति कम रहती है।

सेंट्रल जेल से 19 बंदी रिहा सजा पूरी होने के बाद भी अटकी थी रिहाई

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर केंद्रीय जेल में लंबे समय से बंद 19 पुरुष बंदियों को शुक्रवार को रिहा कर दिया गया ये बंदी 15 से 16 साल तक सजा काट चुके थे सजा की अवधि पूरी होने के बाद भी शासन स्तर से माफी संबंधी स्वीकृति नहीं मिलने के कारण उनकी रिहाई लंबित थी जेल महानिदेशक हिमांशु गुप्ता के निरीक्षण के दौरान यह मामला सामने आया इसके बाद बंदियों के प्रकरणों की समीक्षा कर रिहाई का प्रस्ताव शासन को भेजा गया स्वीकृति मिलने के बाद सभी 19 बंदियों को जेल से रिहा कर दिया गया बंदियों से बातचीत में सामने आई समस्या पूर्व में केंद्रीय जेल के निरीक्षण के दौरान जेल महानिदेशक हिमांशु गुप्ता ने बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी थीं इस दौरान कुछ बंदियों ने बताया कि वे अपनी सजा की अवधि पूरी कर चुके हैं लेकिन माफी संबंधी स्वीकृति नहीं मिलने के कारण जेल से बाहर नहीं जा पा रहे हैं इसके बाद संबंधित बंदियों के आचरण और जेल के अभिलेखों की जांच कराई गई परीक्षण के दौरान अच्छे आचरण वाले और अधिक उम्र के बंदियों की रिहाई के प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजे गए परिवार के बीच लौटने और नई शुरुआत का अवसर शासन से स्वीकृति मिलने के बाद शुक्रवार को 19 पुरुष बंदियों की रिहाई की प्रक्रिया पूरी की गई लंबे समय तक जेल में रहने के बाद अब उन्हें अपने परिवारों के बीच लौटने और समाज की मुख्यधारा से जुड़कर नई शुरुआत करने का अवसर मिलेगा इस दौरान केंद्रीय जेल अधीक्षक खोमेश मंडावी जेलर विजयानंद सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि सभी 19 पुरुष बंदियों को शासन के निर्देश पर रिहा किया गया है।

नर्सिंग ऑफिसर की थार से 92 हजार रुपए और सोने की अंगूठी चोरी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिला अस्पताल में पदस्थ नर्सिंग ऑफिसर शिवराज सिंह राजपूत की थार कार से बदमाशों ने रुपयों और गहनों से भरा बैग चोरी कर लिया बैग में 92 हजार रुपए नकद सोने की एक अंगूठी और जरूरी दस्तावेज रखे थे घटना 23 अक्टूबर को शिवपुरी-भोपाल मार्ग पर बदरवास के अटलपुर स्थित महाकाल होटल के पास हुई। पीड़ित ने शनिवार को अपनी पत्नी के साथ एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई चाय पीने रुके थे दंपती जानकारी के अनुसार, शिवराज सिंह राजपूत अपनी पत्नी को इलाज के लिए भोपाल ले जा रहे थे। रास्ते में दोपहर करीब 4 बजे वे महाकाल होटल के पास चाय पीने के लिए रुके। इसी दौरान उनकी महिंद्रा थार कार (MP 07 AN 1009) से बैग चोरी हो गया। बताया गया है कि बाइक पर सवार होकर तीन युवक मौके पर पहुंचे थे घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच फुटेज में एक अन्य संदिग्ध कार भी दिखाई देने की बात सामने आई है ऐसे में पुलिस अन्य लोगों की संभावित भूमिका की भी जांच कर रही है बदरवास थाना प्रभारी नवीन यादव ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

बदहाल सड़कें, लाइटें खराब, महिलाएं भड़कीं :बोलीं- अपने घर की सड़क बनवाई, यहां गलियां खुदी पड़ी पार्षद बोलीं- ठेकेदार काम नहीं कर रहा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर के वार्ड नंबर-29 के सईसपुरा इलाके में सड़क और मूलभूत सुविधाओं को लेकर महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा महिलाओं ने भाजपा पार्षद मीना मुकेश बाथम पर वार्ड में काम नहीं कराने के आरोप लगाए उनका कहना है कि पार्षद ने अपने घर के बाहर सीसी सड़क बनवा ली स्ट्रीट लाइट भी जगमगा रही है जबकि उनकी गलियां खुदी पड़ी हैं रात में अंधेरा रहता है महिलाओं ने सड़क पर अतिक्रमण के आरोप भी लगाए सड़क की बदहाली से बेटे के हाथ में फ्रैक्चर स्थानीय निवासी महिलाओं ने बताया कि उनके घर के बाहर सालों से सड़क खुदी पड़ी है। करीब तीन

साल पहले पानी की पाइपलाइन डालने के लिए गली खोदी गई थी लेकिन आज तक मरम्मत नहीं कराई गई आरोप है कि खराब सड़क और अंधेरे के कारण उनके बेटे के हाथ में फ्रैक्चर हो गया इलाज में करीब 7 हजार रुपए खर्च हुए उन्होंने राशन कार्ड बनवाने के लिए भी गुहार लगाई लेकिन अब तक सुनवाई नहीं हुई महिलाओं ने लगाए अनदेखी के आरोप रहवासियों ने लगाया कि सड़क और दूसरी सुविधाओं की मांग करने पर पार्षद की ओर से कहा जाता है कि उन्होंने पैसों से वोट खरीदे हैं इसलिए कोई काम नहीं कराएंगे महिलाओं का कहना है कि उनके घरों के सामने सड़क और रोशनी की व्यवस्था नहीं है जबकि पार्षद के घर के बाहर सड़क बन चुकी है पार्षद बोलीं- ठेकेदार नहीं कर रहा काम वहीं पार्षद मीना मुकेश बाथम ने कहा- वार्ड की कई गलियों में सड़क निर्माण के प्रस्ताव पास हो चुके हैं वर्क ऑर्डर भी जारी हो गए हैं इसके बावजूद ठेकेदार तीन साल से सड़कें नहीं बना रहा उनके घर के बाहर नवदुर्गा पर पांडाल लगाया गया था इसके चलते ठेकेदार ने उतनी ही सड़क बनाकर छोड़ दी थी उन्होंने कहा- उनका मकान करीब 50 साल पुराना है हाल ही में उसका दोबारा निर्माण कराया गया है।

देवरी सिंचाई परियोजना में देरी पर नहर में उतरे किसान 154.33 करोड़ की परियोजना 3 साल बाद भी अधूरी 35 गांवों के किसान आक्रोशित

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के केसला ब्लॉक में देवरी (दोंडी झुनकर) सिंचाई परियोजना में देरी से नाराज किसान और आदिवासी ग्रामीण शनिवार शाम पथरोटा स्थित तवा नहर में उतरकर धरने पर बैठ गए प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि परियोजना का काम शुरू किया जाए और संबंधित अधिकारी या मंत्री से लिखित आश्वासन मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा देवरी सिंचाई परियोजना को 2023 में 154.33 करोड़ रुपए की मंजूरी मिली थी इसके तहत तवा बांध से पानी लिफ्ट कर 35 गांवों तक सिंचाई की सुविधा पहुंचाई जानी है ग्रामीणों का कहना है कि तीन साल बाद भी काम शुरू नहीं हुआ हैराकेश यादव दुर्गेश धुर्वे और आकाश कुसराम समेत अन्य प्रदर्शनकारियों ने कहा कि जब तक काम शुरू करने का ठोस निर्णय और लिखित भरोसा नहीं मिलता वे आंदोलन खत्म नहीं करेंगे सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से बात कर धरना खत्म करने की अपील की लेकिन सहमति नहीं बनी प्रदर्शन के दौरान नहर में पानी नहीं था रविवार को गेहूं की फसल के लिए तवा डैम से नहर में पानी छोड़ा जाना है।

सेंट्रल जेल से 19 बंदियों की रिहाई, सजा पूरी होने के बाद भी अटकी थी प्रक्रिया

जेल महानिदेशक हिमांशु गुप्ता के निरीक्षण में सामने आया मामला शासन की मंजूरी के बाद बंदियों को मिला परिवार के बीच लौटने का अवसर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर केंद्रीय जेल में लंबे समय से बंद 19 पुरुष बंदियों को शुक्रवार को रिहा कर दिया गया ये बंदी करीब 15 से 16 साल तक जेल में सजा काट चुके थे सजा की अवधि पूरी होने के बाद भी शासन स्तर से माफी संबंधी स्वीकृति नहीं मिलने के कारण उनकी रिहाई लंबित थी जेल महानिदेशक हिमांशु गुप्ता के निरीक्षण के दौरान यह मामला सामने आया जिसके बाद संबंधित प्रकरणों की समीक्षा कर शासन से रिहाई की अनुमति मांगी गई स्वीकृति मिलने के बाद सभी 19 बंदियों को जेल से मुक्त कर दिया गया।

बंदियों से संवाद के दौरान सामने आई समस्या: जानकारी के अनुसार, केंद्रीय जेल के पूर्व निरीक्षण के दौरान जेल महानिदेशक हिमांशु गुप्ता ने बंदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनी थीं इसी दौरान कुछ बंदियों ने बताया कि वे अपनी सजा की अवधि पूरी कर चुके हैं लेकिन माफी संबंधी स्वीकृति नहीं मिलने के कारण अभी तक जेल में ही बंद हैं। इस जानकारी के बाद अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित बंदियों के प्रकरणों की जांच शुरू की।

आचरण और अभिलेखों की हुई समीक्षा: बंदियों की रिहाई के लिए उनके जेल में रहने के दौरान के आचरण और संबंधित अभिलेखों का परीक्षण कराया गया समीक्षा के दौरान अच्छे आचरण वाले तथा अधिक उम्र के बंदियों के मामलों पर विचार करते हुए रिहाई के प्रस्ताव तैयार किए गए इन प्रस्तावों को आवश्यक स्वीकृति के लिए शासन के पास भेजा गया था शासन से अनुमति मिलने के बाद शुक्रवार को रिहाई की प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

नई शुरुआत का मिलेगा अवसर: लंबे समय तक जेल में रहने के बाद रिहा हुए इन 19 बंदियों को अब अपने परिवारों के बीच लौटने और सामाजिक जीवन में दोबारा शामिल होने का अवसर मिलेगा रिहाई के बाद वे सामान्य जीवन शुरू करने के साथ समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे इस कार्रवाई से उन बंदियों को राहत मिली जिनकी रिहाई की प्रक्रिया सजा पूरी होने के बावजूद स्वीकृति के अभाव में अटकी हुई थी रिहाई के दौरान केंद्रीय जेल अधीक्षक खोमेश मंडावी, जेलर विजयानंद सिंह सहित अन्य जेल अधिकारी उपस्थित रहे अधिकारियों के अनुसार, सभी 19 पुरुष बंदियों को शासन से प्राप्त स्वीकृति के आधार पर रिहा किया गया है।

नर्मदा किनारे शराब पीने का वीडियो वायरल, हिंदू संगठनों ने जताई आपत्ति

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। सेठानी घाट के पास गोल घाट पर मां नर्मदा नदी के किनारे तीन लोगों के शराब पीने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है हिंदू संगठनों ने इस पर नाराजगी जताते हुए प्रशासन से संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है महिलाओं को होती है परेशानी आलोक शर्मा और धीरज चौकसे ने कहा कि नर्मदा तट पर शराब पीने से घाट का माहौल प्रभावित होता है उनका आरोप है कि ऐसी गतिविधियों के कारण महिलाओं को घाट पर बैठने में परेशानी होती है संगठनों ने शहर में कथित अवैध शराब बिक्री पर भी नाराजगी जताई जानकारी के अनुसार नर्मदा नदी से पांच किलोमीटर के दायरे में शराब बिक्री पर प्रतिबंध है।

संक्षिप्त समाचार

सागर में रात का पारा 15.3 डिग्री पर पहुंचा

दिन में 33.9 डिग्री तापमान, 29 अक्टूबर तक बारिश और आंधी का अनुमान

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। दिन में तेज धूप के कारण गर्मी महसूस हो रही है, जबकि शाम ढलते ही ठंडक बढ़ जाती है। शनिवार को न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री रहा। रात के तापमान में करीब 3 डिग्री की गिरावट आई है।

रात का तापमान सामान्य से 3 डिग्री नीचे: शनिवार सुबह से आसमान साफ रहा और तेज धूप खिली। दिन में गर्मी बनी रही, लेकिन सुबह और रात के समय हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। मौसम विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, इससे पहले 21 अक्टूबर 2024 को न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अगले 24 घंटों में आसमान साफ रहने के साथ अधिकतम और न्यूनतम तापमान में और गिरावट होने की संभावना जताई गई है।

रूपापुर में मघरी पर चढ़ा 4 फीट का कोबरा

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। रूपापुर गांव में घर के अंदर काम कर रही एक महिला की नजर अचानक करीब 4 फीट लंबे कोबरा पर पड़ी। सांप दीवार के सहारे घर की मघरी पर चढ़ गया था। उसे देखते ही परिवार में हड़कंप मच गया। ग्राम रूपापुर निवासी अंशुल चौरे ने तुरंत सर्प रेस्क्यू टीम को सूचना दी। वनपरिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा के निर्देश पर टीम के सदस्य अभिजीत यादव, अभय चौरे, दीपक पवार, गोलू यादव और देबू चौरे मौके पर पहुंचे।

रायसेन में दिन-रात के तापमान में 5डिग्री गिरावट

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में बारिश के बाद मौसम बदल गया है। दिन और रात के तापमान में 4 से 5 डिग्री की गिरावट से ठंड बढ़ गई है। रात का तापमान 20 डिग्री से घटकर 16 डिग्री पर पहुंचा है, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 34 डिग्री के आसपास बना हुआ है। शनिवार सुबह शहर में पहली बार धुंध दिखी। सुबह-शाम ठंडी हवाएं चलने से लोगों को सर्दी का एहसास होने लगा है। किले की पहाड़ी से रायसेन धुंध में लिपटा दिखा। इस बदलाव का असर लोगों की दिनचर्या पर भी पड़ रहा है। कूलर-पंखों का इस्तेमाल कम हुआ दिन में तेज धूप से गर्मी लगती है, वहीं शाम होते ही मौसम ठंडा हो जाता है। रात में तापमान गिरने से कूलर और पंखों का इस्तेमाल कम हो गया है। इस बदलाव से सर्दी, खांसी और वायरल जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

रतलाम के ज्वेलरी व्यापारी को एमडी ड्रग्स तस्करी में जेल

22 ग्राम ड्रग्स बरामदगी के मामले में था फरार, खुद नशा करने और बेचने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के ज्वेलरी व्यापारी अक्षय चपड़ोद को एमडी ड्रग्स तस्करी के मामले में जावरा शहर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, अक्षय मुख्य आरोपी सुनील सूर्या से एमडी ड्रग्स खरीदता था। उस पर खुद नशा करने और ड्रग्स बेचने का आरोप है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश करने के बाद शुक्रवार शाम जेल भेज दिया।

कार से मिली थी 22 ग्राम एमडी ड्रग्स: थाना प्रभारी मनोज कटारिया ने बताया कि 6 मई 2025 को जावरा में महू-नीमच हाईवे पर पटेल होटल के सामने नाकाबंदी कर एक कार की तलाशी ली गई थी। कार से करीब 20 लाख रुपए कीमत की 22 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई थी। इस दौरान कार में सवार ट्रांसपोर्ट व्यवसायी कमलेश जैन और उसके साथी साबिर खान को गिरफ्तार किया गया था।

सुनील सूर्या से जुड़ा था मामला

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने बताया था कि रतलाम के सुनील सूर्या ने दलौदा में ड्रग्स भेजकर मंगवाई थी। इसके बाद पुलिस ने ड्रग्स मंगाने और बेचने के मामले में सुनील सूर्या समेत 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

पूछताछ के दौरान रतलाम के माणकचौक थाना क्षेत्र में रहने वाले ज्वेलरी व्यापारी अक्षय चपड़ोद का नाम भी सामने आया था। इसके बाद से वह फरार चल रहा था।

चांदनी चौक से किया गिरफ्तार

थाना प्रभारी मनोज कटारिया के मुताबिक, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अक्षय चांदनी चौक में घूम रहा है और अपने घर पर रह रहा है। इसके बाद पुलिस टीम ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद शुक्रवार शाम उसे जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, अक्षय पर मुख्य आरोपी सुनील सूर्या से एमडी ड्रग्स खरीदकर उसका सेवन करने और आगे बेचने का आरोप है। मामले में रतलाम निवासी मोहम्मद एजाज भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में संघर्ष की स्थिति समाप्त, हर वर्ग के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : विधायक मुकेश टंडन

गुलरखेडी के सामुदायिक भवन में आयोजित उद्यम संवाद में विधायक ने किया महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और बच्चों को नियमित स्कूल भेजने का आह्वान

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत गुलरखेडी के सामुदायिक भवन में आयोजित उद्यम संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। अब शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में संघर्ष और कठिनाई की स्थिति समाप्त हुई है। सरकार का प्रयास है कि पात्र व्यक्ति तक योजना की जानकारी और उसका लाभ सरलता से पहुंचे। विधायक श्री टंडन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का एक ही ध्येय है कि समाज के प्रत्येक वर्ग का विकास सुनिश्चित हो। विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी परिवार शासन की योजनाओं से वंचित न रहे, इसी उद्देश्य से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार, आजीविका और आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक बहनें 'लखपति दीदी' की श्रेणी में शामिल होकर आर्थिक रूप से सशक्त बनें और अपने परिवार की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को सरकार द्वारा प्राथमिकता दी जा रही है। गांवों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आजीविका के अवसरों को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणजनों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक होने तथा पात्रता के अनुसार आवेदन करने का आग्रह किया। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा कि बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें। शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि बच्चों की नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर संस्कार से ही आने वाली पीढ़ी को सशक्त बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों से संवाद करते हुए विधायक श्री टंडन ने शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने, पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाने तथा स्थानीय स्तर पर विकास से जुड़े विषयों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

इटारसी में सिंचाई परियोजना में देरी पर ग्रामीणों का धरना

3 साल से शुरू नहीं हुई 154.33 करोड़ की परियोजना, 35 गांवों को मिलेगा लाभ

इटारसी,एजेंसी। नर्मदापुरम जिले के केसला विकासखंड की देवरी (दोंडी झुनकर) उद्वहन सिंचाई परियोजना को 2023 में 154.33 करोड़ रुपए की मंजूरी मिली थी, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ है।

देरी के विरोध में किसान और ग्रामीण शनिवार को पथरौटा नहर पर धरना देंगे। शुक्रवार शाम अधिकारियों के साथ हुई बातचीत बेनतीजा रही।

अधिकारियों की समझाइश के बाद भी नहीं माने ग्रामीण: शुक्रवार शाम 7 बजे तवा सिंचाई परियोजना विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों और आदिवासी नेताओं से चर्चा की। अधिकारियों ने उनकी मांगें वरिष्ठ अधिकारियों के जरिए शासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया, लेकिन ग्रामीण धरना स्थगित करने को तैयार नहीं हुए।

तवा सिंचाई परियोजना, इटारसी के कार्यपालन यंत्री अंकित सराफ ने बताया कि किसानों और आदिवासी नेताओं को केसला नायब तहसीलदार

दिलीप परते के कार्यालय के सभा कक्ष में बुलाकर समझाइश दी गई थी। इसके बावजूद ग्रामीणों ने शनिवार को प्रदर्शन करने की बात कही।

तवा बांध से खेतों तक पहुंचाया जाना है पानी: इस परियोजना के तहत तवा बांध से पानी लिफ्ट कर खेतों तक पहुंचाया जाना है। इससे क्षेत्र के 35 गांवों को सिंचाई की सुविधा मिलने की उम्मीद है। वर्ष 2023 में स्वीकृति मिलने के बाद भी काम शुरू नहीं होने से किसानों में नाराजगी है।

सांसद के सामने भी उठाया मुद्दा: ग्रामीणों ने सांसद दर्शन सिंह चौधरी के सामने भी परियोजना में देरी का मुद्दा रखा।

आदिवासी नेता फागराम ने उन्हें बताया कि 2023 में स्वीकृत परियोजना का काम अब तक शुरू नहीं हुआ है। सांसद ने परियोजना से जुड़े पत्र और ज्ञापन भेजने को कहा और मामले को संबंधित स्तर पर उठाने का आश्वासन दिया।

धरने की तैयारी को लेकर हुई चर्चा में दुर्गेश धुर्वे, फागराम, अजय यादव, संतोष राय, रिपु यादव और अनिल यादव सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

हत्या का प्रयास करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

रंजिश में मारपीट कर सिर पर मारी थी लोहे की रॉड, एक आरोपी ने किया जिलाबदर आदेश का उल्लंघन

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर युवक पर लोहे की रॉड से हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि सूरज आठिया ने युवक के सिर पर जान से मारने की नीयत से रॉड मारी, जबकि दूसरे आरोपी ने भी मारपीट की।

मुख्य आरोपी सूरज के खिलाफ पहले से जिलाबदर का आदेश जारी था, इसके बावजूद वह शहर में मौजूद था। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

मंदिर जाते समय युवक से मारपीट: पुलिस के अनुसार, लक्ष्मीपुरा निवासी मनोज पिता हीरालाल यादव ने 22 अक्टूबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

उन्होंने बताया कि सुबह करीब 9 बजे वह घर से गुलाब बाबा मंदिर दर्शन करने जा रहे थे।

इसी दौरान गोला कुआं तिराहे पर अशोक रजक की किराना दुकान के सामने सूरज आठिया, चंदन आठिया और नीलू अहिरवार मिले।

आरोप है कि तीनों ने पुरानी रंजिश को लेकर मनोज से गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर सूरज ने लोहे की रॉड से उनके सिर पर वार किया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। वहीं, चंदन और नीलू ने लात-घूंसों से मारपीट की। मौके पर मौजूद शिवा ठाकुर और राजेश ठाकुर ने बीच-बचाव किया।

जिलाबदर आदेश के बावजूद शहर में था आरोपी

पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी सूरज पिता नंदलाल आठिया (23), निवासी पंतनगर वार्ड, के खिलाफ पहले से जिलाबदर का आदेश पारित था। इसके बावजूद वह शहर में आया और इस मामले में शामिल रहा।

पुलिस ने मामले में सूरज आठिया और नीलू उर्फ नीलेश पिता रमेश अहिरवार (35), निवासी पंतनगर वार्ड, को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि हत्या के प्रयास के मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था। वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

तेज रफ्तार ट्रक ने कार को मारी टक्कर

फिर गड्ढे में पलटा, एक घायल; भोपाल-इंदौर पर हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में भोपाल-इंदौर मुख्य मार्ग पर शनिवार दोपहर सड़क हादसा हो गया। कुबेरेश्वर धाम के पास तेज रफ्तार ट्रक ने अनियंत्रित होकर सामने चल रही कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक सड़क किनारे बने गड्ढे में पलट गया। इस दुर्घटना में कार-ट्रक दोनों को भारी नुकसान पहुंचा है। वहीं, हादसे के दौरान एक व्यक्ति के घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और राहगीर मौके पर इक्ट्ठा हो गए। जिससे मार्ग पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

टक्कर के बाद गड्ढे में पलटा ट्रक: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि ट्रक गड्ढे में पलटने के बजाय सड़क पर पलटता, तो जनहानि और भी बड़ी हो सकती थी। हादसे के बाद मौके पर यातायात भी कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घायलों को तुरंत चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान तहत जनसंवाद में कलेक्टर ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

कलेक्टर, एसपी ने ग्राम सियासी का का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज विदिशा जिले की ग्यारसपुर जनपद पंचायत अंतर्गत विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया। ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम ग्राम पंचायत सियासी पहुंचकर पंचायत कार्यालय में संचालित कार्यों एवं शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने पंचायत स्तर पर संचालित निर्माण कार्यों, विकास योजनाओं तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित एई एवं एसई को निर्देशित किया कि पंचायत क्षेत्र में संचालित निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें तथा निर्माणाधीन कार्यों के फोटोग्राफ्स संबंधित फाइलों में संलग्न किए जाएं साथ ही पंचायत सचिव को निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया जनसंवाद: ग्राम पंचायत सियासी में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में कलेक्टर

श्री अंशुल गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक श्री रोहित कसवानी ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने। जनसमस्याओं के निराकरण हेतु दोनों अधिकारियों ने मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा में कार्रवाई कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए कहा।

इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव, स्थानीय एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

अतिक्रमण, पेंशन और नल कनेक्शन की समस्याओं का मौके पर समाधान: जनसंवाद के दौरान ग्राम की महिलाओं ने लगभग 25 वर्षों से शासकीय मार्ग पर किए गए अतिक्रमण की समस्या से अवगत कराया। इस पर कलेक्टर श्री गुप्ता ने तत्काल तहसीलदार को मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने एवं ग्रामीणों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार एक बुजुर्ग ग्रामीण ने वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त नहीं होने की शिकायत की।

जांच के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पेंशन राशि उनके अन्य बैंक खाते में जमा हो रही है। संबंधित जानकारी हितग्राही को उपलब्ध कराई गई और मौके पर ही समस्या का समाधान किया गया। ग्राम मुन्नापुरा के बुजुर्ग आवेदक ने नल-जल योजना के अंतर्गत घरेलू नल कनेक्शन नहीं मिलने की समस्या बताई। कलेक्टर ने पीएचई विभाग के एसडीओ को आवश्यक निर्देश देते हुए प्राथमिकता से नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के लिए कहा। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों द्वारा नाली निर्माण, पुलिस संबंधी प्रकरणों, हैंडपंप मरम्मत, आवास योजना सहित अन्य समस्याएं भी रखी गईं, जिनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन और जनता के बीच संवाद को मजबूत करना तथा ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया जाए।

जबलपुर-कोयंबटूर स्पेशल ट्रेन अब नियमित एक्सप्रेस चलेगी

नए नंबर 20160 के साथ चलेगी, इटारसी-हरदा समेत कई स्टेशनों के यात्रियों को राहत

मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)। रेल यात्रियों के लिए राहत की खबर है। जबलपुर से कोयंबटूर के बीच चलने वाली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन अब नियमित एक्सप्रेस के रूप में चलेगी। पश्चिम मध्य रेलवे ने ट्रेन को नए नंबर के साथ चलाने का फैसला किया है।

इससे इटारसी और हरदा समेत कई स्टेशनों के यात्रियों को दक्षिण भारत के शहरों तक सीधा रेल संपर्क मिलेगा।

नए नंबर से चलेगी ट्रेन: रेलवे के मुताबिक, ट्रेन अब पुराने नंबर 02198/02197 की जगह 20160/20159 नंबर से चलेगी।

जबलपुर से गाड़ी संख्या 20160 प्रत्येक शुक्रवार को रवाना होगी। वापसी में गाड़ी संख्या 20159 कोयंबटूर से प्रत्येक सोमवार को चलेगी। यह सेवा 26 अक्टूबर से

इटारसी-हरदा समेत कई स्टेशनों पर मिलेगी सुविधा

यह ट्रेन इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, नासिक रोड और पनवेल होते हुए कोंकण और दक्षिण भारत के कई प्रमुख स्टेशनों से गुजरेगी। ट्रेन में कुल 24 कोच होंगे। ट्रेन के नियमित एक्सप्रेस के रूप में चलने से दक्षिण भारत की यात्रा करने वाले विद्यार्थियों, व्यापारियों और पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। इटारसी और हरदा सहित रास्ते के अन्य स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को भी इसका लाभ होगा।

चेल्सी को प्रीमियर लीग खिताब जिताना चाहते हैं स्ट्राइकर डैनी वेलबेक

लंदन,एजेंसी। प्रीमियर लीग फुटबॉल में चेल्सी क्लब की ओर से खेलने वाले इंग्लैंड के स्ट्राइकर डैनी वेलबेक ने कहा है कि उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर क्लब को खिताबी जीत दिलाना है। वेलबेक ने कहा कि चेल्सी के लिए खेलकर वह सम्मानित अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रीमियर लीग का यह क्लब उन्हें हर साल बेहतर बनने और खिताब जीतने के लिए प्रेरित करता है। इंग्लैंड के लिए 42 मैच खेल चुके वेलबेक, ब्राइटन एंड होव एल्बियन से चेल्सी में शामिल हुए हैं। उनका साल 2028 तक के लिए इस क्लब से अनुबंध हैं। वेलबेक ने कहा, इतने नामी क्लब की ओर से खेलना गर्व की बात है। चेल्सी उसे हर साल खिताब जीतने और बेहतर बनने के लिए प्रेरित करता है। उससे स्वयं भी हर दिन बेहतर बनने की प्रेरणा मिलती है। क्लब में खेल का स्तर बहुत ऊंचा है, और एक खिलाड़ी के तौर पर सभी यही चाहते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, यहां आपको बेहतरीन पेशेवर और कोचिंग स्टाफ का साथ मिलता है जो आपसे हर सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद करते हैं। इससे आपको अपना स्तर अपने आज ही बेहतर हो जाता है। मेरा मतलब है कि टीम के लिए अपना योगदान देना, ट्रेनिंग पिच पर कड़ी मेहनत करना और जब भी जो जिम्मेदारी दी जाये उसे बेहतर तरीके से निभाना। इसी कारण मैं चेल्सी के साथ ट्रॉफियां जीतने के लिए बहुत उत्साहित हूं। वेलबेक ने अब तक अपने करियर में प्रीमियर लीग में 400 मैच खेले हैं। वह यूईएफए चैंपियंस लीग में भी खेले हैं। इसके अलावा दो बार फीफा विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम में रहे थे।वेलबेक ने कहा, मैं एक शानदार ड्रेसिंग रूम में बड़ा हुआ हूं, जहां के खिलाड़ी कमाल के थे। इससे मेरे काम करने के तरीके और मेरी रोजमर्रा की आदतों पर बहुत अच्छा असर पड़ा। मैंने प्रीमियर लीग के कुछ सबसे बड़े क्लबों के लिए खेला है, और कुछ छोटे क्लबों के साथ भी समय बिताया है।

टेस्ट क्रिकेट में एडम वोग्स के नाम है अनौखा रिकार्ड

मुम्बई ,एजेंसी। टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज एडम वोग्स के नाम एक ऐसा अनौखा रिकार्ड दर्ज है जिसमें महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी उनसे पीछे हैं। ये है बिना आउट हुए सबसे ज्यादा रन बनाने का। एडम वोग्स ने साल 2015-16 के अपने शानदार दौर में लगातार बिना आउट हुए कुल 614 रन बनाकर एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले नाबाद 269 और फिर नाबाद 106 रनों की असारधारण पारियां खेलीं। इसके बाद उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंग्टन टेस्ट में भी बेहतरीन फॉर्म दिखाते हुए नाबाद 239 रन बनाए। इस दौरान वे लगातार चार पारियों में आउट नहीं हुए। यह विश्व रिकॉर्ड लगभग एक दशक बीत बाद भी बना हुआ है। वोग्स के तेंदुलकर इस सूची में दूसरे स्थान पर विराजमान हैं। उन्होंने साल 2003-04 में लगातार आउट हुए बिना 497 रन बटोरे थे। यह उनकी महान तकनीक, धैर्य और अटूट मानसिक दृढ़ता का उत्कृष्ट उदाहरण था। वेस्टइंडीज के सर्वकालिक महान ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स ने 1957-58 में लगातार 490 रन बनाकर तीसरा स्थान हासिल किया था, उनका यह प्रदर्शन उस युग में उनकी असाधारण बल्लेबाजी क्षमता को दर्शाता है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने 2012-13 के दौरान अपनी टीम के लिए लगातार 489 रन बिना विकेट गंवाए बनाए

न्यूजीलैंड-ए ने पहली पारी में इंडिया-ए को 113 रनों पर समेटा

लिंकन,एजेंसी। स्टार बल्लेबाजों के विफल होने से यहां खेले जा रहे पहले अनाधिकृत क्रिकेट टेस्ट मैच में इंडिया-ए की टीम पहले दिन के खेल में ही अपनी पहली पारी में 113 रनों पर ही आउट हो गयी। इंडिया-ए में शामिल केएल राहुल, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी मैच में अपना खाता नहीं खोल पाये। इससे विदेशी धरती पर इंडिया ए की बल्लेबाजी की पोल भी खुल गयी। टीम के 7 बल्लेबाज तो दो अंकों का आंकड़ा भी पा सके। केवल यश राठौड़ ने ही संघर्ष करते हुए 44 रन बनाकर टीम को सौ रनों तक पहुंचाया। वहीं न्यूजीलैंड-ए की ओर से साइमन कीन ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट लिए। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने दिन का खेल समाप्त होने तक बिना किसी नुकसान के

43 रन बनाकर मैच में अपनी पकड़ बना ली। इससे पहले आज सुबह इस मुकाबले में न्यूजीलैंड-ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जो सही साबित हुआ। इंडिया ए की ओर से यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत करने आए केएल राहुल महज 8 गेंद खेलकर एक भी रन बनाये बिनास

● राहुल, सुदर्शन और सुंदर शून्य पर आउट हुए

पवेलियन लौट गए। इसके बाद यशस्वी 17 रन और देवदत्त पाडिक्कल के बीच 30 रनों की साझेदारी हुई, यशस्वी के आउट होने के बाद चौथे नंबर पर आए साई सुदर्शन को साइमन कीन ने शून्य पर ही आउट कर दिया। कप्तान ध्रुव जुरेल भी केवल 1 रन ही बना पाये। एक समय ऐसा लग रहा था कि इंडिया-ए की पूरी टीम 70-80 रनों के भीतर सिमट जाएगी, लेकिन युवा बल्लेबाज यश ने एक छोर पर डटकर संघर्ष किया। उन्होंने 3 छक्के और 3 चौकों की मदद से नाबाद 44 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से किसी भी बल्लेबाज का खास साथ नहीं मिला। वॉशिंगटन सुंदर भी बिना कोई रन बनाए आउट हुए, जबकि अंशुल कंबोज ने 10 रन बनाये। इस तरह बल्लेबाजी क्रम में केवल तीन बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। वहीं निचले क्रम के बल्लेबाजों में आकिब नबी ने 5 रन बनाए जबकि आकाश दीप और मुकेश चौधरी अपना खाता खोले बिना ही साइमन कीन के शिकार बने। मेजबानों की ओर से कीन ने अपनी शानदार गेंदबाजी से कुल 5 विकेट लिए। अन्य गेंदबाजों ने भी दबाव बनाये रखा। पहले दिन का खेल खत्म होने तक मेजबान न्यूजीलैंड-ए ने अपनी पहली पारी में बिना कोई विकेट खोए 43 रन बना लिए थे। उनके सलामी बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और आसानी से रन बनाये। इस तरह, पहले ही दिन न्यूजीलैंड ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है ।

एशियाई पैरा खेलों 2026 में भारत ने 114 पदकों के साथ ही अपना अब तक का सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन किया

नगोया,एजेंसी। जापान में हुए एशियाई पेरा खेलों में भारत ने 114 पदक जीतकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। भारतीय खिलाड़ियों ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए इस बार 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदक हासिल किये। ये अब तक का इन खेलों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हैं। इसने पिछले सभी रिकॉर्डों को तोड़ दिया है। इससे पहले, भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले संस्करण में देखने को मिला था। तब चीन के हांगझू पैरा एशियाई खेलों में भारत ने 27 स्वर्ण सहित कुल 108 पदक जीते थे। इस बार 30 स्वर्ण, 35 रजत और 49 कांस्य पदकों के साथ भारत ने उस रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। यह सफलता भारत में पैरा-खेलों के बढ़ते स्तर और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत को दिखाता है।

पदक तालिका में भारत 30 स्वर्ण पदकों के साथ चौथे स्थान पर रहा

इस सूची में चीन 204 स्वर्ण, 115 रजत और 108 कांस्य पदकों के साथ पहले स्थान पर रहा जबकि मेजबान जापान 63 स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। उज्बेकिस्तान ने 45 स्वर्ण पदकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

भारतीय दल ने शीर्ष तीन देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए अपनी ताकत दिखायी है। इसमें भी पैरा एथलीट की सबसे बड़ी भूमिका रही। पैरा एथलीटों ने सर्वाधिक 22 स्वर्ण, 19 रजत और 24 कांस्य सहित कुल 65 पदक हासिल किये जो कुल पदकों का एक बड़ा हिस्सा है। इसके अलावा, पैरा तीरंदाजी और पैरा बैडमिंटन में भी भारतीय खिलाड़ियों को अच्छी खासी सफलता मिली। इन दोनो ही खेलों में उसे 3-3 स्वर्ण पदक मिले। पैरा निशानेबाजी में 2 स्वर्ण पदक जबकि पैरा तैराकी में 3 रजत और 8 कांस्य पदक हासिल हुए। पैरा टेबल टेनिस में 7 कांस्य, पैरा जूडो में एक रजत और एक कांस्य, और पैरा पॉवरलिफ्टिंग में दो रजत पदक मिले। यह दिखाता है कि भारत की पैरा-खेल प्रतिभा विभिन्न विधाओं में निखर रही है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में मोना अग्रवाल, शीतल देवी, सुमित अंतिल, नितेश कुमार, नवीन शिवकुमार, शैलेंद्र कुमार, दिलीप गावित और सोलैराज धर्मराज जैसे कई खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया।

ईशान किशन के कवर के तौर पर कुमार कुशाग्र भारतीय टीम में शामिल

क्राइस्टचर्च,एजेंसी। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन के चोटिल होने से युवा खिलाड़ी कुमार कुशाग्र को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज कुशाग्र को शामिल किया जाना इसलिए भी हैरानी भरा है क्योंकि इस क्रिकेटर ने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से पहले कुशाग्र को कवर के तौर पर रखा गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस बात की आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि किशन को सीरीज के पहले मैच के दौरान दाएं पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट लग गई थी। बीसीसीआई की ओर से कहा गया, 'न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान ईशान के दाएं पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट लगी थी। इस कारण वह दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से भी बाहर हो गये थे।' इसके बाद ही कुशाग्र को टीम के साथ जुड़ने का निर्देश दिया है। कुशाग्र यहां भारत 'ए' टीम के साथ दौरे पर आये हैं।बोर्ड ने साथ ही कहा कि ईशान की चोट पर भी उसकी नजरें बनी हुई हैं।'

गौरतलब है कि यह पहली बार है जब कुमार कुशाग्र को भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में चुना गया है, जो उनके करियर का एक बेहद महत्वपूर्ण पड़ाव है। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले युवा गुजरात टाइटंस के इस बल्लेबाज को इससे पहले एकदिवसीय सीरीज के चौथे और पांचवें मैच के लिए भी भारतीय 'ए' टीम में शामिल किया गया था।

भारत की संशोधित टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (वकिटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा (उप कप्तान), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर)।

पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के तहत 2028 टी20 महिला विश्व कप की मेजबानी करेगा

लाहौर,एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा है कि वह हाइब्रिड मॉडल के तहत ही साल 2028 में होने वाले बहुप्रतीक्षित महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए तैयार है। वहीं इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईससी) ने कहा था कि विश्वकप 7 सितंबर से 1 अक्टूबर 2028 तक पाकिस्तान में खेला जाएगा। साथ ही कहा कि भारत और पाकिस्तान के मौजूदा राजनीतिक संबंधों को देखते हुए इसमें भारतीय टीम से जुड़े सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जाएंगे। यह हाइब्रिड मॉडल एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत जब भी भारत या पाकिस्तान में से कोई देश आईसीसी या एशियाई टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा तो दूसरा देश अपनी टीम के मैच किसी तटस्थ स्थल पर खेल सकता है। इस व्यवस्था का सफल परीक्षण पहले ही 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में हुआ था जिसकी मेजबानी भी पाकिस्तान ने ही की थी। यह मॉडल दोनों देशों को एक ही टूर्नामेंट में शामिल होने का अवसर प्रदान करता है।

उस टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने अपने सभी मुकाबले यूएई में खेले थे और दुबई में फाइनल जीतकर खिताब भी अपने नाम किया था। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने टूर्नामेंट के 15 में से 10 मैचों की सफलतापूर्वक मेजबानी की थी, जिसमें लाहौर में खेला गया एक सेमीफाइनल भी शामिल था, हालांकि उसमें भारतीय टीम शामिल नहीं थी। यह स्पष्ट करता है कि यह मॉडल बड़े टूर्नामेंटों के सफल आयोजन में सहायक हो सकता है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की है कि उनका देश महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि पीसीबी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपनाए गए इसी हाइब्रिड मॉडल को महिला विश्व कप में भी लागू करने की मांग करेगा। अधिकारी ने स्पष्ट किया, हम दोनों ग्रुप के मैचों और उन नॉकआउट मुकाबलों की मेजबानी करना चाहेंगे, जिनमें भारतीय टीम शामिल नहीं होगी। उन्होंने यूएई को भारत के मैचों के लिए पसंदीदा तटस्थ स्थल बताया। इसके पीछे मुख्य कारण दुबई से पाकिस्तान की कम यात्रा दूरी, जिससे परिचालन लागत में कमी आती है और लॉजिस्टिक्स का प्रबंधन भी आसान

यूएई में खेले जाएंगे भारत के मुकाबले

हो जाता है। वैश्विक रैंकिंग में शीर्ष महिला टीमों में से एक होने के नाते, भारत के नॉकआउट चरण में पहुंचने की प्रबल संभावना है। यदि भारतीय टीम फाइनल में जगह नहीं बना पाती है, तो खिताबी मुकाबला लाहौर में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन की मेजबानी पाकिस्तान के लिए क्रिकेट को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

पोलार्ड बने मुंबई इंडियंस के नये मुख्य कोच

मुम्बई,एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2027 सत्र के लिए वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर कीरोन पोलार्ड को अपना नया कोच बनाया है। वहीं अब तक कोच रहे महेला जयवर्धने ने कोच पद छोड़ दिया था। नये कोच बने पोलार्ड ने साल 2010 से 2022 तक मुम्बई की ओर से खेला था। .

पोलार्ड ने कोच बनने के बाद उत्साहित होते हुए कहा, मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच की भूमिका संभालना मेरे लिए सम्मान की बात है। ये टीम मेरे जीवन और करियर का अहम हिस्सा रही है। इस टीम और खिलाड़ियों के साथ मेरा खेलने के दिनों ही लगाव रहा है। ये बात मेरे लिए बहुत मायने रखती है। एक खिलाड़ी और फिर एक कोच के तौर पर इस सफर का हिस्सा रहने के कारण, मैं अच्छी तरह समझता हूं कि इस टीम का क्या महत्व है और इस जर्सी का प्रतिनिधित्व करने के साथ कितनी बड़ी जिम्मेदारी आती है। उन्होंने इस भूमिका को दिये जाने पर टीम मालिकों नीता अंबानी, आकाश अंबानी का आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा, नीता अंबानी, आकाश अंबानी और पूरे मुःम्बई इंडियंस परिवार का आभारी हूं। मैं खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ मिलकर काम करने, टीम की विरासत को आगे बढ़ाने, प्रतिभाओं की प्रक्रिया का हिस्सा बनने से उत्साहित हूं। '

गौरतब है कि पोलार्ड ने साल 2010 में मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल डेब्यू किया था, तब उनकी उम्र 22 साल थी। उन्होंने एमआई के लिए 11 सत्र खेले है।

राशिद और जादरान के अच्छे प्रदर्शन से अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को हराकर त्रिकोणीय सीरीज जीती

हरारे,एजेंसी। राशिद खान की अच्छी गेंदबाजी और इब्राहिम जादरान के अर्धशतक की सहायता से अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराकर त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज जीत ली है। इस मुकाबले में जिम्बाब्वे पहले बल्लेबाजी करते हुए 43.3 ओवर में 169 रन ही बना पायी। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को अफगानिस्तान ने 34.3 ओवर में ही 170 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस मैच में जिम्बाब्वे के बल्लेबाज अफगान गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। केवल कप्तान सिकंदर रजा ही सबसे अधिक 68 रनों की पारी खेल पाये। रजा के अलावा, रायन बर्ल ने 45 गेंदों में 31 रनों का योगदान दिया, जबकि निचले क्रम में ब्लेसिंग मुजरबानी ने 17 रन बनाये। इन तीन बल्लेबाजों को छोड़कर जिम्बाब्वे का कोई भी खिलाड़ी दो अंकों तक नहीं पहुंच पाया। इस प्रकार पूरी टीम 169 रन ही बना पायी। वहीं अफगानिस्तान की ओर से राशिद ने 10 ओवर में 41 रन देकर 3 विकेट लिए। बिलाल सामी ने 5.3 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा अनुभवी मोहम्मद नबी और तेज गेंदबाज फजलहक फारूखी ने भी 2-2 विकेट लिए जबकि एक विकेट अजमतुल्लाह उमरजई को मिला। 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी रही रहमानुल्लाह गुरबाज ने केवल 31 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 36 रन

बनाए। इसके बाद इब्राहिम जादरान ने 96 गेंदों पर 70 रन की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 4 चौके और 1 छक्का लगाकर टीम को जीत के करीब तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने सिर्फ तीन विकेट खोए। वहीं जिम्बाब्वे की ओर से गेंदबाजी में न्यूमैन न्यामहूरी ने 2 विकेट लिए, जबकि वेस्ली मधेवेरे ने 1 विकेट लिया।

प्रतिबंध के कारण बिग बैश लीग के पहले मैच से बाहर रहेंगी मेगन

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की की तेज गेंदबाज मेगन शट महिला बिग बैश लीग में 31 अक्टूबर को एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ होने वाले पहले मुकाबले से बाहर रहेंगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मेगन को दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों को तोड़ने के कारण प्रतिबंधित कर दिया था। इसी कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए अंतिम टी20 मैच के लिए शामिल नहीं की गयी थीं हालाकि ये मैच हालांकि बारिश के कारण रद्द हो गया था। सीएक के अनुसार मेगान ने दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का सही से पालन नहीं किया। साथ ही कहा कि मेगन को लेकर है कि यह मामला केवल एक घटना से जुड़ा है, जो प्रतियोगिता से बाहर के समय हुई थी। ये प्रदर्शन बेहतर करने वाली प्रतिंधित दवाओं के इस्तेमाल से जुड़ा मामला नहीं है हालांकि नियमों का पालन नहीं करने के कारण ही उन्हें निलंबित किया गया है। सीए के अनुसार क्रिकेटर से खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा से जुड़े दिशा-निर्देशों के तहत दवाओं के इस्तेमाल नहीं किया जबकि खिलाड़ियों को इन नियमों के बारे में नियमित रूप से जानकारी दी जाती है। ऐसे में हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी होती है कि वह दवाओं से जुड़े नियमों को समझे और उनका पालन करे।

संक्षिप्त समाचार

खाद्य विभाग का सर्वर सुचारु, राशनकार्ड से जुड़े कार्यों का नियमित संचालन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार नागरिकों को खाद्य विभाग से संबंधित सेवाएं सुचारु रूप से उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। रायपुर जिले में खाद्य विभाग का सर्वर सुचारु रूप से कार्य कर रहा है। राशनकार्ड से संबंधित सभी कार्य निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संचालित किए जा रहे हैं। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि सर्वर डाउन होने के कारण आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य बाधित होने जैसी भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें। जिला खाद्य नियंत्रक, रायपुर ने स्पष्ट किया है कि खाद्य विभाग का सर्वर सामान्य रूप से कार्यरत है और राशनकार्ड से संबंधित कार्यों का संचालन निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप किया जा रहा है। सर्वर की तकनीकी समस्या के कारण आयुष्मान कार्ड बनाने में व्यवधान होने संबंधी जानकारी भ्रामक है। खाद्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे विभागीय सेवाओं के संबंध में अपुष्ट जानकारियों से भ्रमित न हों। विभाग ने कहा है कि नागरिकों को सही जानकारी उपलब्ध कराना और सेवाओं का सुचारु संचालन सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता है।

आमाकोना (शंकरगढ़) व चंपानगर (कुसमी) में लगे स्वास्थ्य एवं पोषण शिविर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुदूर वनांचल के ग्रामीणों को गांव में ही स्वास्थ्य और पोषण सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य एवं पोषण सेवा संगम के तहत बलरामपुर रामानुजगंज जिले के आकां विकासखंड शंकरगढ़ के बहुउद्देशीय केंद्र आमाकोना और कुसमी विकासखंड के बहुउद्देशीय केंद्र चंपानगर में शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में बच्चों, गर्भवती महिलाओं और शिशुवती माताओं को विशेष रूप से चिकित्सा सेवा का लाभ मिला। पीएम जनमन क्षेत्र के ग्राम पोड़ीखुर्द स्थित आमाकोना बहुउद्देशीय केंद्र में पीएम जनमन योजना के तहत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट के जरिए स्वास्थ्य सेवाएं सीधे ग्रामीणों के द्वार तक पहुंचीं। यूनिट में ग्रामीणों का ब्लड प्रेशर मापा गया, शुगर की जांच की गई और आगे की जांच के लिए ब्लड सैंपल लिए गए। जरूरतमंदों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार और परामर्श भी दिया गया। अस्पताल तक जाने की दूरी और समय की बचत होने से ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में इन सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में 42 महिलाएं और 30 बच्चे शामिल हुए। सभी बच्चों का वजन एवं ऊंचाई मापकर उनकी पोषण स्थिति का आकलन किया गया और अभिभावकों को उनके बेहतर विकास के लिए परामर्श दिया गया।

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, मुंगेली (निप्र)। जनगणना-2027 के आगामी चरण की तैयारियों को व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी अमृत विकास तोपनो के निर्देशानुसार आयोजित इस प्रशिक्षण में जिला एवं चार्ज स्तर के जनगणना अधिकारियों तथा कर्मचारियों को जनगणना की प्रक्रिया, कार्यप्रणाली और दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी गई। जनगणना कार्यालय द्वारा नियुक्त प्रशिक्षक विद्यानंद एवं विक्रम ने प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियों को लेकर छत्तीसगढ़ में उच्च स्तरीय बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ राज्य के प्रमुख विषयों और उत्कृष्ट पहलों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने के लिए आज मंत्रालय महानदी भवन में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पिछले राष्ट्रीय सम्मेलन से जुड़े विषयों पर चर्चा के साथ-साथ एक्शन ट्रैकिंग एंड मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से कार्यों की प्रगति और गुणात्मक सुधार की समीक्षा की गई।

'शिक्षा, स्वास्थ्य और नवाचारों पर विशेष जोर'-बैठक में मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों के सचिवों को निर्देश दिए कि आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन में राज्य के नवाचारों और गुणात्मक सुधारों को प्रमुखता से रखा जाए। उन्होंने शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी निर्धारित समय-सीमा के भीतर तैयार करने के निर्देश दिए ताकि राज्य के प्रयासों और सकारात्मक परिणामों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जा सके।

'आंगनबाड़ी केंद्रों में खिलौना बैंक की अनूठी पहल' बैठक के दौरान राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित खिलौना बैंक की पहल की विशेष रूप से सराहना की गई। इस अभिनव योजना के तहत लोग अपने बच्चों के पुराने खिलौने जमा करते हैं, जिनका उपयोग आंगनबाड़ी के बच्चों के मानसिक विकास और उनके सुपोषण के प्रति जनजागुरूकेंट बढ़ाने के लिए किया जाता है। अब तक इस पहल के अंतर्गत एक लाख से अधिक खिलौने जमा किए जा चुके हैं। 'विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों पर केंद्रित सत्र' बैठक में यह जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय सम्मेलन में विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए मुख्य रूप से चार सत्र आयोजित किए जाएंगे। विकसित भारत के लिए विशिष्ट प्राथमिकताएं और उद्देश्य, आर्थिक विकास एवं राज्य के वित्त को मजबूत बनाने में खनन क्षेत्र की भूमिका, सुशासन में तकनीक का प्रभावी उपयोग, सड़क व अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए नए विचार और बेहतर कार्यप्रणाली पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य एवं पोषण, गैर- कृषि कार्यों में उर्वरकों के दुरुपयोग पर नियंत्रण, प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देने और अंतरराज्यीय प्रतिस्पर्धा से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

परंपरागत कृषि छोड़ बीज उत्पादक बने किसान, आय में 75 प्रतिशत का हुआ इजाफा

रायपुर । बलौदाबाजार भाटापारा जिले के विकासखंड भाटापारा अंतर्गत ग्राम ढाबाडीह के किसानों ने कृषि क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। परंपरागत खेती के तरीकों और बाजार की अनिश्चितताओं को पीछे छोड़ते हुए यहां के किसानों ने उन्नत बीज उत्पादन को अपनाया है, जिससे उनकी आय में लगभग 75 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ग्राम ढाबाडीह के कृषक रूपेन्द्र साहू, उमा साहू, राजाराम एक्का और प्रमिला साहू पहले परंपरागत रूप से धान और सब्जियों की खेती करते थे। मौसम की मार और बाजार भाव में उतार-चढ़ाव के कारण उन्हें अक्सर सीमित आय से ही संतोष करना पड़ता था।इस अनिश्चितता से निपटने के लिए किसानों ने उद्यान विभाग भाटापारा के अधिकारियों से संपर्क किया। विभाग के मार्गदर्शन में किसानों ने एक प्रमुख बीज कंपनी के साथ अनुबंध किया और सामूहिक रूप से 25 एकड़ रकबे में गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन का कार्य शुरू किया। उद्यानिकी विभाग द्वारा कृषको को 2 नग क्रॉप सोलर ड्रायर प्रदान किया गया है जिससे उन्हें बीज़ को बारिश मे सुखाने मे मदद मोलेगी। कंपनी से अनुबंध होने के कारण फसलों के दाम पहले से तय रहते हैं, जिससे बाजार के उतार-चढ़ाव का जोखिम खत्म हो गया।आधुनिक कृषि तकनीकों और सामूहिक खेती के कारण मजदूरी पर होने वाला खर्च काफी कम हो गया। परंपरागत फसलों की तुलना में प्रति एकड़ शुद्ध आय में 75 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

सरगांव-साकेत मार्ग के मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण से आवागमन होगा सुगम

मीडिया ऑडीटर, मुंगेली (निप्र)। जिले में सड़क अधोसंरचना को बेहतर बनाने और आम नागरिकों के आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में सरगांव-साकेत मार्ग के मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। लंबे समय से जर्जर स्थिति में रही इस सड़क के उन्नयन के लिए उपमुख्यंत्री अरूण साव के निर्देशानुसार 12 किलोमीटर लंबाई के निर्माण कार्य के लिए 2170.36 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। सड़क निर्माण कार्य के तहत अब तक 08 किलोमीटर हिस्से में डामरीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वहीं, ग्राम दौना एवं टिकैतपेण्ड्री के बस्ती क्षेत्रों में

सीसी मार्ग का निर्माण कार्य प्रगति पर है। शेष कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। संपूर्ण निर्माण कार्य दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। सरगांव-साकेत मार्ग के मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण से क्षेत्र में सड़क संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है। सड़क के उन्नयन से स्थानीय नागरिकों, यात्रियों और वाहन चालकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से बस्ती क्षेत्रों में सीसी मार्ग का निर्माण सड़क को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। जर्जर सड़क के स्थान पर मजबूत एवं बेहतर सड़क बनने से क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी तथा दैनिक आवागमन अधिक सुगम हो सकेगा।

1076 बनी उम्मीद की डोर : हेल्पलाइन की त्वरित पहल से सुरेश सारथी की बेटी को मिला जन्म प्रमाण पत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकां पहल मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसका एक बेहतरीन उदाहरण सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला तहसील अंतर्गत ग्राम बाथ निवासी सुरेश कुमार सारथी की यह कहानी है, जिनकी वर्षों की चिंता एक फोन कॉल से दूर हो गई। सुरेश कुमार सारथी अपनी नवजात पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए काफी समय से परेशान थे। आवश्यक दस्तावेज न होने के कारण उन्हें कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में जब उन्हें कोई अन्य रास्ता नहीं सूझा, तो उन्होंने शासन की जन-कल्याणकारी सेवा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 का सहारा लिया और अपनी समस्या दर्ज कराई। स्वास्थ्य विभाग की त्वरित कार्रवाई हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज होते ही प्रशासनिक तंत्र सक्रिय हो गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने तुरंत आवश्यक प्रक्रिया शुरू की। विभाग की तत्परता का यह परिणाम रहा कि कुछ ही समय में स्वास्थ्य केंद्र देवगांव द्वारा उनकी पुत्री का जन्म प्रमाण पत्र तैयार कर उन्हें सौंप दिया गया। चेहरे पर लौटी मुस्कान और जताया आभार बेटी का जन्म प्रमाण पत्र हाथ में आते ही सुरेश कुमार सारथी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने राहत की सांस लेते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और स्वास्थ्य विभाग के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। सारथी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इस डिजिटल और सुगम व्यवस्था के माध्यम से मेरी समस्या सीधे संबंधित विभाग तक पहुँची और बिना किसी भागदौड़ के समय पर हल हो गई।

ग्राम जमुनाही में विधिक सेवा मेगा ड्राइव का सफल समापन, 64 आवेदनों का हुआ निराकरण

मीडिया ऑडीटर, मुंगेली (निप्र)। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों तक कानूनी सहायता पहुंचाने, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली द्वारा संचालित लीगल एड क्लीनिक के 60 दिवसीय मेगा ड्राइव के प्रथम चरण का ग्राम जमुनाही में सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह अभियान 25 अगस्त से 23 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया गया। समापन कार्यक्रम में ग्रामीणों को निःशुल्क विधिक सहायता, कानूनी अधिकारों और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही ग्रामीणों से प्राप्त समस्याओं के आवेदनों पर संबंधित विभागों के समन्वय से कार्यवाही की गई। अभियान का उद्देश्य पात्र एवं जरूरतमंद लोगों को न्याय तक पहुंच उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने में सहायता करना रहा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) के निर्देशानुसार आयोजित इस अभियान का समापन 23 अक्टूबर को सतीश कुमार खाखा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों, महिलाओं, विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारियों, कर्मचारियों

और पैरालीगल वालंटियर्स ने भाग लिया। मेगा ड्राइव के प्रथम चरण में ग्राम जमुनाही के ग्रामीणों से विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए कुल 74 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें शौचालय निर्माण से संबंधित 27, वृद्धावस्था पेंशन से संबंधित 06, विद्युत संबंधी 08, प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित 15 तथा अन्य समस्याओं से संबंधित 18 आवेदन शामिल थे। प्राप्त आवेदनों में से 64 का निराकरण किया जा चुका है

जिले में सड़क विकास को मिली नई गति, 204 करोड़ रुपए से अधिक के 06 निर्माण कार्य प्रगति पर

मीडिया ऑडीटर, महासमुंद (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में जिले में सड़क अधोसंरचना को मजबूत और आवागमन को सुगम बनाने महासमुंद जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क निर्माण, चैड़ीकरण, मजबूतीकरण एवं उन्नयन के कई महत्वपूर्ण कार्यों को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन कार्यों से जिला मुख्यालय को विभिन्न विकासखंडों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से जोड़ने, अंतर्राज्यीय संपर्क को बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों, किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सुविधाजनक यातायात उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। महत्वपूर्ण 06 निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसकी लागत 204 करोड़ से अधिक है। इनमें से अधिकांश कार्य प्रगति पर है। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता नीता रामटेके ने बताया कि महासमुंद विकासखण्ड अंतर्गत महासमुंद-तुमगांव-अछोला मार्ग के 9.65 किलोमीटर हिस्से के लिए 27.18 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में इस मार्ग के टू-लेन चैड़ीकरण का कार्य प्रगति पर है। जिला मुख्यालय के लिए यह मार्ग पिथौरा, बसना एवं सरायपाली विकासखंड मुख्यालयों को

जोड़ता है। सड़क चैड़ीकरण पूरा होने से स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों सहित जिला मुख्यालय आने-जाने वाले नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही बरोंडा चैक महासमुंद से बम्हनी मार्ग के 2.30 किलोमीटर हिस्से के फोरलेन चैड़ीकरण के लिए 18.29 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। वर्तमान में कार्य प्रगति पर है। यह मार्ग महासमुंद शहर के लिए महत्वपूर्ण है। इसके निर्माण से कलेक्ट्रेट, जिला न्यायालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय और जिला पंचायत कार्यालय सहित विभिन्न शासकीय कार्यालयों तक पहुंचने में नागरिकों को सुविधा होगी तथा शहरी यातायात को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

बसना विकासखण्ड अंतर्गत सांकरा-परसवानी मार्ग के 15.80 किलोमीटर निर्माण कार्य के लिए 28.47 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में निर्माण कार्य प्रगति पर है। यह मुख्य जिला मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग-53 से जिला मुख्यालय महासमुंद तथा ओडिशा राज्य को जोड़ने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। सड़क निर्माण से आसपास के लगभग 20 गांवों के नागरिकों को आवागमन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। सरायपाली विकासखण्ड अंतर्गत पदमपुर-सरायपाली-सरसीवां मार्ग के 14.60 किलोमीटर हिस्से के चैड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य के लिए 24.48 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। वर्तमान में कार्य प्रगति पर है। ओडिशा राज्य को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग के उन्नयन से किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और अन्य नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। साथ ही क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों और संपर्क व्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। बसना-भंवरपुर-सागरपाली मार्ग के 17.60 किलोमीटर हिस्से के चैड़ीकरण एवं उन्नयन के लिए 31.69 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है।

वीबीजी-रामजी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर, पथरिया में संयुक्त कार्यशाला सह समीक्षा बैठक आयोजित

पांच वर्षीय विकास योजना तैयार करने और अधिकाधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, मुंगेली (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने, विकास कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने और ग्राम पंचायतों की योजनागत क्षमता मजबूत करने के उद्देश्य से जनपद पंचायत पथरिया के सभाकक्ष में वीबीजी-रामजी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर संयुक्त कार्यशाला सह समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर अमृत विकास तोपना के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में तकनीकी सहायकों, सरपंचों, सचिवों और रोजगार सहायकों ने भाग लिया। बैठक में प्रत्येक ग्राम पंचायत के लिए आगामी पांच वर्षों की बेहतर ग्राम विकास योजना तैयार करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने योजना के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए सभी संबंधित अमले को सक्रियता, जिम्मेदारी और आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। कार्यशाला में योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा स्वीकृत कार्यों को निर्धारित मानक और गुणवत्ता के अनुरूप पूरा करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि ग्राम पंचायतों में कराए जाने वाले कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखें और नागरिक सूचना पटल के माध्यम से आवश्यक जानकारी प्रदर्शित करें।

कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कानून व्यवस्था, सड़क सुरक्षा और नशे के विरुद्ध कार्रवाई की समीक्षा की

, मीडिया ऑडीटर, रमोहला (निप्र)। कलेक्टर तनुजा सलाम एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में एनकॉर्ड, जिला सड़क सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था से संबंधित समितियों की बैठक लेकर विभिन्न विषयों की समीक्षा की। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों का पालन, नशे के विरुद्ध कार्रवाई, आगामी त्योहारों में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा साइबर अपराधों पर नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर मिथलेश डोंडे, संयुक्त कलेक्टर सुमीत गर्ग सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी,

एसडीएम एवं तहसीलदार उपस्थित रहे। बैठक में जिले के चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए साइन बोर्ड लगाने तथा आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को दुर्घटना संभावित स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक संकेतक एवं चेतावनी बोर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सड़क सुरक्षा के प्रति आम नागरिकों को जागरूक करने और दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से प्रभावी कार्यवाही करने निर्देश दिया गया। जिला सड़क सुरक्षा की समीक्षा के दौरान हेलमेट की अनिवार्यता, शराब पीकर वाहन चलाने (ड्रिंक एंड ड्राइव) तथा तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नियमित निगरानी रखने तथा नियमों के पालन के लिए जनजागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। बैठक में स्पष्ट किया गया कि यातायात नियमों का पालन केवल कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए इसे जनसामान्य की आदत बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जाएं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा